

जीएसटी घोटाले में ईडी की बड़ी कार्रवाई

झारखंड-बंगाल के चार ठिकानों पर छापेमारी, बोकारो भी रडार पर

एजेंसी

रांची: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सैकड़ों करोड़ रुपये के जीएसटी फजीवाड़े और मनी लॉन्ड्रिंग सिंडिकेट पर शिकंजा कस दिया है। बुधवार सुबह केन्द्रीय जांच एजेंसी ने झारखंड और पश्चिम बंगाल के चार संदिग्ध ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की। सूत्रों के अनुसार, झारखंड के बोकारो में भी ईडी की टीम ने दबिश दी है, जहां फर्जी कंपनियों और बोगस बिलिंग से जुड़े कारोबारी जांच के रडार पर हैं। सीआरपीएफ की सुरक्षा में चल रही तलाशी: केन्द्रीय सुरक्षा बलों (सीआरपीएफ) के कड़े पहरे में चल रही तलाशी के दौरान अधिकारियों ने डिजिटल डिवाइस, हार्ड डिस्क, बोगस बिल बुक और बैंक लेन-देन से



जुड़े दस्तावेज जब्त किए हैं। एजेंसी इन दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों के जरिये कथित लेन-देन और फर्जी कंपनियों के नेटवर्क की पड़ताल कर रही है। बिना माल की सप्लाई के फर्जी इनवॉइस का खेल: जांच में सामने आया है कि बिना माल की वास्तविक सप्लाई किए सिर्फ

4 ठिकानों पर एक साथ कार्रवाई: ईडी की कार्रवाई झारखंड और पश्चिम बंगाल के चार संदिग्ध ठिकानों पर एक साथ शुरू हुई। बोकारो समेत अन्य स्थानों पर टीम बोगस बिलिंग और फर्जी कंपनियों से जुड़े दस्तावेज खंगाल रही है। सुरक्षा के लिए केन्द्रीय बलों को तैनात किया गया है। पूर्व की जांच में 700 करोड़ से अधिक के नेटवर्क का खुलासा: पूर्व में इसी नेटवर्क के मास्टरमाइंड शिव कुमार देवड़ा की गिरफ्तारी ने इस रैकेट की गहराई को उजागर किया था। उनकी गिरफ्तारी से 700 करोड़ रुपये से अधिक के कथित फर्जी बिलिंग नेटवर्क का पदाफाश हुआ था। ताजा कार्रवाई को इसी मामले से जुड़े संदिग्ध नेटवर्क और वित्तीय लेन-देन की आगे की जांच से जोड़कर देखा जा रहा है।

खड़गे ने इंडिया गठबंधन की बैठक में उठाया एसआईआर और ईवीएम का मुद्दा, चुनाव आयोग को लेकर रखी कई मांगें

एजेंसी



एसआईआर को लेकर खड़गे ने जताई चिंता: कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि विपक्ष लंबे समय से ईवीएम और मतदाता सूची में बदलाव को लेकर सवाल उठाता रहा है। उन्होंने राहुल गांधी की ओर से महादेवपुरा, अलंद, हरियाणा और महाराष्ट्र का हवाला देते हुए लगाए गए आरोपों का भी उल्लेख किया। खड़गे ने कहा कि चुनाव आयोग ने शिकायतों को स्वीकार करने के बजाय एसआईआर प्रक्रिया शुरू की। उनके मुताबिक, चुनाव आयोग एसआईआर को मतदाता सूची को अपडेट और व्यवस्थित करने की प्रक्रिया बताता है, लेकिन यदि इससे बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम प्रभावित होते हैं तो वास्तविक मतदाताओं को मतदान के अधिकार से वंचित न किया जाए, यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी व्यवस्था की होनी चाहिए।



डिजिटल तकनीक से जन-जन तक पहुंचेगी बेहतर स्वास्थ्य सेवा

DIGI HEALTH CONCLAVE JHARKHAND

Accelerating Jharkhand's digital health transformation

मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

डॉ. इरफान अंसारी

माननीय मंत्री, स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड

30 सितंबर एवं 01 अक्टूबर 2026 | अपराह्न 01:00 बजे से

स्थान: बीएनआर चाणक्य, रांची

स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड



PR-390799(Health Med Edu and Family Welfare) 26-27

न्यूज़ **IN** ब्रीफ

दो अक्तूबर से मसीही सेवा महिला संगति का द्विवार्षिक सम्मेलन

रांची : सीएनआई छोटानागपुर डायसिस मसीही सेवा महिला सेवा संगति का द्विवार्षिक सम्मेलन दो और तीन अक्तूबर को मुख् में आयोजित होगा। सम्मेलन को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। संगति की अध्यक्ष सिस्टर डॉ सुमन मंजुला मिंज ने बताया कि दो दिवसीय सम्मेलन में महिलाओं से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी।

बाइबल के संदेश पर आधारित है सम्मेलन की थीम: सम्मेलन की थीम बाइबल के मती 5:16 से ली गई है। इसमें कहा गया है, तुम्हारा उजियाला मनुष्यों के सामने चमके कि वे तुम्हारे पिता को, जो स्वर्ग में है, बड़ाई करें। सम्मेलन के दौरान इस संदेश के माध्यम से महिलाओं को समाज और परिवार में अपनी भूमिका को लेकर प्रेरित किया जाएगा।

बिशप बीबी बास्के होंगे मुख्य अतिथि: सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में छोटानागपुर डायसिस के बिशप बीबी बास्के उपस्थित होंगे। उनके अलावा डायसिस के सचिव रेव्ह अमृत चरण मुंडू, कोषाध्यक्ष रेव्ह अनिल डाहंगा और वाइस प्रेसीडेंट रेव्ह जोलजस कुजूर भी मौजूद रहेंगे।

पहले दिन महिलाओं के स्वास्थ्य पर होगी चर्चा: सम्मेलन के पहले दिन महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर विशेष चर्चा होगी। इसमें रिम्स की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ उषा मधुलिका होरो मुख्य वक्ता के रूप में महिलाओं को संबोधित करेंगी। वह महिलाओं को स्वास्थ्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी और जरूरी टिप्स देंगी।

दूसरे दिन आर्थिक उन्नति पर होगा मंथन: सम्मेलन के दूसरे दिन महिलाओं की आर्थिक उन्नति को लेकर चर्चा की जायेगी। इस दौरान गोडविन लकड़ा महिलाओं को आर्थिक उन्नति से जुड़े विषयों की जानकारी देंगे। इसके अलावा मसीही सेवा महिला संगति के कार्यो, उपलब्धियों और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चा होगी। सम्मेलन में संगति की उपाध्यक्ष मगदली बोदरा, सचिव अमिता बाखला, कोषाध्यक्ष मीरा डेम्ता सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहेंगी।

मनातू बीडीओ- सीओ को गोली मारने की धमकी, मचा हड़कंप



मेदिनीनगर (पलामू): जिले के मनातू के बीडीओ सह सीओ मदन कुमार सुमन को सोशल मीडिया पर गोली मारने की धमकी दी गई है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया गया है, जिसके नीचे कथित तौर पर सीओ को गोली मारने की बात लिखी गई है। धमकी मिलने के बाद प्रशासनिक महकमे में चिंता बढ़ गई है। जमीन विवाद से जुड़े होने की आशंका: सीओ मदन कुमार सुमन ने बताया कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो डाला गया है। वीडियो के नीचे लिखा गया है कि सीओ को गोली मार दो। उन्होंने इसे धमकी बताते हुए कहा कि यह अत्यंत चिंताजनक मामला है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में थाना में मौखिक रूप से सूचना दे दी गई है। सीओ ने बताया कि एक जमीन का विवाद चल रहा है। इस मामले में अंचल कार्यालय की ओर से दोनों पक्षों को नोटिस दिया गया है और मामले की सुनवाई चल रही है। उन्होंने आशंका जतायी कि सोशल मीडिया पर दी गई धमकी इसी मामले से जुड़ी हो सकती है। पूरे मामले में कानूनी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि थाना प्रभारी को लिखित आवेदन भी दिया जाएगा। पुलिस ने कहा, लिखित आवेदन मिलते ही होगी कार्रवाई: मनातू थाना प्रभारी विक्की कुमार ने बताया कि सोशल मीडिया पर धमकी दिये जाने की सूचना मिली है। हालांकि, सीओ की ओर से अभी तक थाना में लिखित आवेदन नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि मामले में त्वरित कार्रवाई की जायेगी। पुलिस सोशल मीडिया पर दी गई धमकी के संबंध में जानकारी जुटा रही है। पूर्व में भी मिल चुकी है धमकी: जानकारी के अनुसार, पूर्व में भी टीएस्पसी संगठन की ओर से बीडीओ को धमकी मिलने की बात सामने आई थी। उस समय पुलिस ने कार्रवाई करते हुए टीएस्पसी के कई नक्सलियों को गिरफ्तार किया था। बताया जाता है कि वर्ष 1995 में तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी भवनाथ झा को भी नक्सलियों की ओर से धमकी मिली थी। धमकी मिलने के अगले ही दिन उनके आवास पर उनकी हत्या कर दी गई थी। मनातू क्षेत्र पूर्व में अति नक्सल प्रभावित रहा है और इलाका जंगलों से भी घिरा हुआ है। ऐसे में वर्तमान घटना के बाद प्रशासनिक अधिकारियों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ गई है।

हटिया से बेंगलुरु-मुंबई के लिए चलेंगी स्पेशल ट्रेनें

रांची : दुगापूजा और दिवाली के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने हटिया से बेंगलुरु तथा मुंबई के लिए पूजा स्पेशल साप्ताहिक ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। इस पहल से त्योहारों के मौसम में यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं और आम रेल यात्रियों को काफी सहूलियत मिलेगी। रेलवे प्रशासन ने इन विशेष ट्रेनों की समय-सारणी, प्रस्थान समय और संचालन की तिथियां विस्तृत रूप से जारी कर दी हैं।

हटिया-बेंगलुरु पूजा स्पेशल ट्रेन का शेड्यूल: हटिया से बेंगलुरु के बीच ट्रेन संख्या 08637 पूजा स्पेशल का संचालन 14 अक्तूबर से एक नवंबर तक किया जाएगा। यह ट्रेन प्रत्येक बुधवार को सुबह 9:00 बजे हटिया स्टेशन से रवाना होगी और अगले दिन रात 8:45 बजे बेंगलुरु पहुंचेगी। वहीं, वापसी दिशा में ट्रेन संख्या 08638 बेंगलुरु-हटिया स्पेशल 16 अक्तूबर से 13 नवंबर तक संचालित होगी। यह गाड़ी हर शुक्रवार को रात 12:30 बजे बेंगलुरु से प्रस्थान करेगी और रविवार को दोपहर 12:30 बजे हटिया पहुंचेगी। रेलवे ने इस मार्ग पर यात्रियों की अतिरिक्त संख्या को ध्यान में रखकर यह साप्ताहिक सेवा शुरू की है।

हटिया-मुंबई पूजा स्पेशल ट्रेन की समय-सारणी: दूसरी तरफ, हटिया से मुंबई के लिए ट्रेन संख्या 08609 का संचालन 12 से 26 अक्तूबर तक किया जाएगा। यह स्पेशल ट्रेन प्रत्येक सोमवार को शाम 4:20 बजे हटिया से प्रस्थान करेगी और अगले दिन रात 9:50 बजे मुंबई पहुंचेगी। इसके अलावा, वापसी में ट्रेन संख्या 08610 मुंबई-हटिया स्पेशल 13 से 27 अक्तूबर तक हर मंगलवार को रात 10:55 बजे मुंबई से रवाना होगी और तीसरे दिन सुबह 4:30 बजे हटिया पहुंचेगी। इस विशेष ट्रेन व्यवस्था से दोनों प्रमुख शहरों की ओर जाने वाले यात्रियों को त्योहारों के दौरान आवागमन में सुविधा होगी।

झारखंड

झारखंड बंद : सड़क पर उतरे आंदोलनकारी पलामू-बोकारो में विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन

तीर-धनुष के साथ सड़कों पर उतरे झारखंड आंदोलनकारी, किया रोड जाम

संवाददाता

गुमला : झारखंड आंदोलनकारी मोर्चा के आह्वान पर आंदोलनकारियों ने आज रायडीह प्रखंड के शंख मोड़ मांझोटेली में सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद की और अपनी विभिन्न मांगों को जल्द पूरा करने की मांग की। सड़क जाम के कारण आवागमन प्रभावित रहा।

आंदोलनकारियों ने कहा कि झारखंड अलग राज्य के निर्माण में आंदोलनकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। लेकिन आज भी कई आंदोलनकारी अपने अधिकार और सम्मान से वंचित हैं। इस दौरान आंदोलनकारियों को राजकीय सम्मान व अलग पहचान देने, उनके बच्चों को रोजगार व सरकारी नौकरियों में

मतदाता सूची में दावा-आपत्ति की का आज अंतिम दिन 19 अक्टूबर को जारी होगी संशोधित सूची

संवाददाता

रांची : विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची में नाम जोड़ने, नाम हटाने, आपत्ति दर्ज कराने और विवरण में सुधार करने के लिए दावा-आपत्ति की समयसीमा आज बुधवार को समाप्त हो रही है। झारखंड में मतदाता सूची संशोधन से जुड़ी इस दावा-आपत्ति की अवधि को निर्वाचन आयोग ने दूसरी बार बढ़ाया है। पात्र मतदाता निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए फॉर्म-6, फॉर्म-7 और फॉर्म-8 के माध्यम से अपना दावा अथवा आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। निर्वाचन आयोग ने दावा-आपत्ति दर्ज कराने की समयसीमा बढ़ाकर 30 सितंबर करने की जानकारी दी थी और संशोधित मतदाता सूची के प्रकाशन की तारीख 19 अक्तूबर निर्धारित की है। धनबाद जिले की छह विधानसभा सीटों के आंकड़ों के अनुसार, विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत कुल 4,45,901 नोटिस प्रस्तावित हैं। धनबाद विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक नोटिस प्रस्तावित: धनबाद जिले की छह विधानसभा सीटों के आंकड़ों के अनुसार, विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत कुल 4,45,901 नोटिस प्रस्तावित हैं।

दावा और आपत्ति दर्ज कराने की आज अंतिम तारीख: जिन मतदाताओं को विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत नोटिस मिला है अथवा जिन्हें मतदाता सूची में अपना नाम जोड़ने, नाम हटाने या अपने विवरण में संशोधन कराने से संबंधित दावा-आपत्ति दर्ज करनी है, उनके लिए 30 सितंबर तक यह प्रक्रिया पूरी करने का अवसर उपलब्ध है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, झारखंड में दावा-आपत्ति दर्ज कराने की समयसीमा बढ़ाने के कारण अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के कार्यक्रम को भी आगे बढ़ाया गया है। जो मतदाता अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाना चाहते हैं, वे फॉर्म-6



के अनुसार, सिंदरी विधानसभा क्षेत्र में 73,717 नोटिस प्रस्तावित हैं। इसी प्रकार झरिया विधानसभा क्षेत्र में 69,584 नोटिस प्रस्तावित हैं। इसके अलावा निरसा विधानसभा क्षेत्र में 66,607 नोटिस प्रस्तावित हैं। टुंडी विधानसभा क्षेत्र में 65,412 नोटिस प्रस्तावित हैं और बाघमारा विधानसभा क्षेत्र में 62,926 नोटिस प्रस्तावित हैं। छह विधानसभा क्षेत्रों के इन आंकड़ों को मिलाने पर पूरे धनबाद जिले में प्रस्तावित नोटिस की कुल संख्या 4,45,901 होती है।

दावा और आपत्ति दर्ज कराने की आज अंतिम तारीख: जिन मतदाताओं को विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत नोटिस मिला है अथवा जिन्हें मतदाता सूची में अपना नाम जोड़ने, नाम हटाने या अपने विवरण में संशोधन कराने से संबंधित दावा-आपत्ति दर्ज करनी है, उनके लिए 30 सितंबर तक यह प्रक्रिया पूरी करने का अवसर उपलब्ध है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, झारखंड में दावा-आपत्ति दर्ज कराने की समयसीमा बढ़ाने के कारण अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के कार्यक्रम को भी आगे बढ़ाया गया है। जो मतदाता अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाना चाहते हैं, वे फॉर्म-6

आंदोलनकारियों को चिह्नित करने के लिए पहचान आयोग या आंदोलनकारी कल्याण बोर्ड के गठन की मांग भी उठाई।

सड़क जाम के दौरान जल, जंगल और जमीन से जुड़े मुद्दे भी प्रमुखता से उठाए गए। आंदोलनकारियों ने लैंड बैंक को रद्द

करने, जल-जंगल-जमीन की लूट पर रोक लगाने, गैर-मजूरआ जमीन के रैयतों को मान्यता देने और जमीन अधिग्रहण के बदले उचित मुआवजा देने की मांग की। विस्थापितों को मुआवजा, पुनर्वास व रोजगार देने, किसानों के हित में ठोस

बीमार युवक को खाट पर लादकर पांच किमी का सफर, दो नदियां पार कर सड़क तक पहुंचे ग्रामीण

लातेहार : महुआडांड प्रखंड के दातू खाड़ परहट्टा टोली पंचायत में सोमवार को स्वास्थ्य व्यवस्था और सड़क सुविधा की जमीनी हकीकत सामने आई। करीब 30 वर्षीय संपल कोरवा की अचानक तबीयत बिगड़ने पर ग्रामीणों के सामने उसे अस्पताल पहुंचाने की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई।

सड़क तक पहुंचने का रास्ता सुगम नहीं होने के कारण ग्रामीणों ने बीमार संपल को खाट पर लिटाकर करीब पांच किलोमीटर तक पैदल सफर कराया। इस दौरान ग्रामीणों को दो नदियां पार करनी पड़ीं। जान जोखिम में डालकर ग्रामीण बीमार युवक को खाट के सहारे सड़क तक लेकर पहुंचे। सड़क पर पहुंचने के बाद किसी तरह ऑटो की व्यवस्था की गई, जिसके बाद संपल को अस्पताल ले जाया गया। वहां उसका समुचित इलाज कराया गया। समय रहते अस्पताल पहुंचने से फिलहाल उसकी स्थिति में सुधार की बात सामने आई है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में सड़क और आवागमन की समुचित सुविधा नहीं होने के कारण बीमारी या अपात स्थिति में मरीज को अस्पताल पहुंचाना किसी चुनौती से कम नहीं है। खासकर बारिश के दिनों में नदी-नाले पार कर मरीज को खाट पर ढोकर सड़क तक पहुंचाना ग्रामीणों की मजबूरी बन जाती है। संपल कोरवा को खाट पर ढोकर अस्पताल पहुंचाने की यह तस्वीर सिर्फ एक मरीज की परेशानी नहीं, बल्कि दूरदराज के ग्रामीण इलाकों में सड़क, पुल-पुलिया और स्वास्थ्य सुविधाओं की जमीनी स्थिति को भी उजागर करती है।

साप्ताहिक जन शिकायत निवारण कार्यक्रम में उपायुक्त ने कहा

कार्यालय पहुंचे सभी ग्रामीणों की समस्याओं का होगा सामाधान



संवाददाता

लातेहार : जिला मुख्यालय में मंगलवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी संदीप कुमार की अध्यक्षता में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी-अपनी समस्याओं और शिकायतों को उपायुक्त के समक्ष रखा। उपायुक्त ने फरियादियों की समस्याएं बारी-बारी से सुनीं और संबंधित अधिकारियों से आम लोगों की शिकायतों को अग्रसारित करते हुए भौतिक सत्यापन के आधार पर मामलों का निष्पादन करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से आम लोगों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए समयबद्ध तरीके से कार्रवाई करने को कहा।

प्रशासन की ओर से बताया गया कि आमजनों की समस्याओं के समाधान और शिकायतों के निष्पादन के लिए जिला, अनुमंडल और प्रखंड स्तर के सभी पदाधिकारियों के कार्यालयों में प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को जन शिकायत निवारण कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

कदम उठाने, कृषि ऋण माफ करने और किसानों के लिए पेंशन की व्यवस्था करने की मांग भी रखी गई। इसके अलावा खनन क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय लोगों के अधिकार सुनिश्चित करने की मांग की गई।

भाषा-संस्कृति और रोजगार पर भी जोर: मोर्चा ने झारखंडी भाषा और संस्कृति के संरक्षण की मांग करते हुए कुड़ुख, मुंडारी, हो, संथाली, खड़िया, नागपुरी/सादरी, खोरटा, कुरमाली एवं पंचपरगनिया भाषाओं की शिक्षा व्यवस्था में उचित स्थान देने की मांग की। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने, पलायन रोकने, कृषि को बढ़ावा देने और स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने की मांग भी की गई।

आंदोलनकारियों ने कहा कि सरकार उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र समाधान करे। मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन को आगे भी जारी रखने की बात कही गई। सड़क जाम के दौरान मौके पर पहुंचे प्रशासन और पुलिस के अधिकारी स्थिति को संभालने और यातायात सामान्य कराने की कोशिश कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता का अपहृत बेटा घायल अवस्था में ओरमांडी से बरामद

बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई

मेट्रो रेज

रांची: रांची के कोतवाली थाना क्षेत्र में एक युवक के अपहरण की खबर से हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के अनुसार कांग्रेस नेता सुरेंद्र सिंह के बेटे किशन सिंह को हरमू रोड स्थित गाड़ीखाना इलाके से कथित तौर पर अगवा किया गया। आरोप है कि अपहरण के दौरान युवक के साथ मारपीट और लूटपाट भी की गई। घटना की सूचना मिलने के बाद कोतवाली थाना पुलिस सक्रिय हुई और युवक की तलाश शुरू की गई। पुलिस ने किशन सिंह को ओरमांडी इलाके से घायल अवस्था में बरामद कर लिया है।

गाड़ीखाना से अपहरण की सूचना: प्रारंभिक जानकारी के



अनुसार युवक हरमू रोड के गाड़ीखाना इलाके में था। इसी दौरान कुछ लोगों द्वारा उसे जबरन अपने साथ ले जाने की बात सामने आई है। आरोप है कि उसके साथ मारपीट की गई और सामान भी लूट लिया गया। हालांकि घटना के पीछे कौन लोग शामिल हैं और अपहरण की

वास्तविक वजह क्या है, यह अभी पुलिस जांच का विषय है। **ओरमांडी से घायल हालत में मिला युवक:** घटना की सूचना के बाद कोतवाली थाना पुलिस ने युवक की तलाश शुरू की। पुलिस को सफलता तब मिली जब युवक को ओरमांडी इलाके से घायल अवस्था में बरामद कर

लिया गया। बरामदगी के बाद पुलिस युवक से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ले रही है। उसके शरीर पर लगी चोटों और घटना की परिस्थितियों को भी जांच में शामिल किया जा रहा है।

पीड़ित के बयान से खुलेगा पूरा मामला: पुलिस के लिए अब युवक का बयान महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कोतवाली और ओरमांडी थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पीड़ित युवक का बयान लिया जा रहा है। युवक के बयान के आधार पर पुलिस यह पता लगाने की कोशिश करेगी कि उसे कौन लोग अपने साथ ले गए, घटना कहाँ से शुरू हुई, मारपीट और लूटपाट कैसे हुई और उसे ओरमांडी तक कैसे ले जाया गया। पुलिस आरोपियों की

पहचान और गिरफ्तारी के लिए आगे की कार्रवाई कर सकती है।

जांच के बाद स्पष्ट होगी घटना की पूरी तस्वीर: फिलहाल पुलिस ने युवक को बरामद कर लिया है, लेकिन घटना से जुड़े कई सवालों का जवाब जांच के बाद ही सामने आएगा। पुलिस सीसीटीवी फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों और युवक के बयान समेत अन्य संभावित साक्ष्यों की मदद से पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। मामले में अपहरण, मारपीट और लूट के आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच और आगे की कानूनी कार्रवाई के आधार पर होगी। फिलहाल पुलिस का पूरा फोकस घटना में शामिल लोगों की पहचान और घटनाक्रम की सच्चाई सामने लाने पर है।

डीआईजी की पुलिसिया रौब से खौफ में परिवार, पत्रकार ने थाने में की शिकायत

एके-47 से गोली मारने और फर्जी केस में फंसाने की धमकी देने का लगाया आरोप

गुलाम शाहिद

रांची : अशोक नगर रोड नंबर-1 निवासी पत्रकार शारीफ इब्राहिम ने डीआईजी आलोक प्रियदर्शी पर पुलिसिया रौब दिखाते हुए सार्वजनिक रास्ता रोकने, एके-47 से गोली मारने और फर्जी केस में फंसाकर जेल भेजने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पत्रकार ने इस संबंध में अरगोड़ा थाना प्रभारी को लिखित शिकायत देकर मामले की जांच और विधिसम्मत कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत में शारीफ इब्राहिम ने कहा है कि 28 सितंबर की शाम करीब छह बजे उनके घर तक जाने वाली सार्वजनिक सड़क पर डीआईजी की सरकारी गाड़ी (जेएच-01सीसी-2556) गेट के सामने खड़ी कर दी गयी। इससे उनके परिवार भयभीत है। उनका कहना है कि जिस परिसर में वे रहते हैं, वहां छह परिवार रहते हैं



बाधित करने का विरोध करने पर डीआईजी अपने सुरक्षाकर्मियों के साथ पहुंचे और शिकायतकर्ता के अनुसार, एके-47 से गोली मारने की धमकी दी गयी।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि इस दौरान उन्हें आईपीएस अधिकारी होने का हवाला देते हुए फर्जी मामले में फंसाकर जिंदगी बर्बाद करने की धमकी भी दी गयी। घटना के बाद पत्रकार और उनका परिवार भयभीत है। उनका कहना है कि जिस परिसर में वे रहते हैं, वहां छह परिवार रहते हैं

और रास्ता बाधित होने से सभी परिवार प्रभावित हो रहे हैं। शारीफ इब्राहिम ने शिकायत में आरोप लगाया है कि उनके घर तक जाने वाले रास्ते को लेकर पूर्व से भी विवाद चल रहा है। उन्होंने कहा कि वाहनों को सड़क पर खड़ा कर बार-बार रास्ता बाधित किया जाता है। उन्होंने थाना प्रभारी से पूरे मामले की जांच कर डीआईजी और उनके सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई करने की मांग की है।

रांची में झारखंड बंद का असर अलबर्ट एक्का चौक जाम,

आंदोलनकारियों ने उठायी पेंशन और नौकरी की मांग



संवाददाता

रांची: झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के झारखंड बंद के तहत बुधवार को आंदोलनकारियों ने राजधानी रांची के अलबर्ट एक्का चौक पर सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। सुबह करीब सवा नौ बजे पूर्व सांसद भुवनेश्वर मेहता, मोर्चा के प्रधान सचिव पुष्कर महतो, शीला कच्छप, अनन्धन लकड़ा, रेखा देवी, सिमोन तिग्गा, करमा तिग्गा समेत अन्य आंदोलनकारी चौक पर पहुंचे और कुछ देर के लिए आवागमन बाधित किया।

रांची में सामान्य रहा बंद का असर: आंदोलनकारियों के अनुसार, रांची शहर में अलबर्ट एक्का चौक पर थोड़े समय के जाम को छोड़कर बंद का व्यापक असर नहीं दिखा। शहर में वाहन सामान्य रूप से चलते रहे, जबकि दुकानों और अन्य प्रतिष्ठान भी खुले रहे। वहीं, आंदोलनकारियों के सड़क पर उतरने के कारण पेंशन और धनबाद के बरवा अड्डा समेत अन्य इलाकों में आवागमन प्रभावित होने की जानकारी सामने आयी।

जेल जाने की बाध्यता खत्म करने की मांग: मोर्चा की प्रमुख मांगों में झारखंड आंदोलनकारियों के चिह्निकरण के लिए जेल जाने की बाध्यता समाप्त करना शामिल है। आंदोलनकारियों का कहना है कि सभी आंदोलनकारियों के समान रूप से 50-50 हजार रुपये सम्मान पेंशन दी जानी चाहिए।

बच्चों को नौकरी और रोजगार में प्राथमिकता की मांग:आंदोलनकारियों ने अपने बच्चों और आश्रितों को सरकारी नौकरियों में गारंटी देने तथा रोजी-रोजगार में प्राथमिकता देने की मांग भी उठायी। इसके अलावा झारखंड आंदोलनकारियों को राजकीय सम्मान और अलग पहचान देने की मांग की गयी।

घरेलू विवाद में दामाद ने की सास की हत्या, पत्नी गंभीर

रांची/ मेट्रो रेज : मांडर प्रखंड के मंदरो गांव में घरेलू विवाद में दामाद ने साबल से सास और पत्नी पर हमला किया। इस हमले में सास हकीमन खातून (55) की मौत हो गई, जबकि पत्नी अफसाना खातून (25) गंभीर रूप से घायल हो गई। उसका इलाज चल रहा है। वारदात को अंजाम देने के बाद सलमान अंसारी (30) मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, सलमान अंसारी (30) ने करीब दो साल पहले अफसाना खातून से प्रेम विवाह किया था। बताया जा रहा है कि पिछले कुछ समय से दोनों के बीच विवाद चल रहा था। मंगलवार शाम करीब सात बजे किसी बात को लेकर पति-पत्नी में झगड़ा हुआ। विवाद बढ़ने पर सलमान ने घर में रखे साबल से अपनी सास हकीमन खातून और पत्नी अफसाना पर हमला कर दिया, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गईं। इसके बाद परिजन आनन फानन में दोनों को मांडर स्थित कॉन्स्टेंट लिवांस अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने हकीमन खातून को मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल अफसाना का इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलने के बाद मांडर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस घटना के कारणों और पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटा रही है। साथ ही आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

नुवोको और क्लीनमैक्स की पवन - सौर परियोजना के लिए साझेदारी

रांची/संवाददाता: नुवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड ने राजस्थान में 46.4 मेगावाट की पवन-सौर हाइब्रिड परियोजना के लिए क्लीनमैक्स के साथ साझेदारी की है। भिकमखोर में बनने वाली परियोजना में 20 मेगावाट पवन और 26.4 मेगावाट डीसी सौर क्षमता के साथ 2 मेगावाट घरे की बैटरी भंडारण प्रणाली शामिल होगी। परियोजना से सालाना करीब 100 मिलियन यूनिट बिजली पैदा होने की उम्मीद है, जिससे करीब 1,25,485 टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन से बचने में मदद मिलेगी। उत्पादित बिजली राज्य परिषद उपयोगिता के आपन एक्सेस नेटवर्क के जरिए नुवोको के सीमेंट संचालन तक पहुंचाई जाएगी। नुवोको के प्रबंध निदेशक जयकुमार कृष्णास्वामी ने कहा कि इससे राजस्थान में स्वच्छ ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाने, पारंपरिक बिजली स्रोतों पर निर्भरता कम करने और लंबे समय में लागत दक्षता सुधारने में मदद मिलेगी। क्लीनमैक्स के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक कुलदीप जैन ने कहा कि यह परियोजना नुवोको के स्वच्छ ऊर्जा की ओर बदलाव को आगे बढ़ाएगी।

एसएआर के विरोध में झामुमो रांची महानगर का कार्यक्रम

रांची/ मेट्रो रेज: झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) रांची महानगर कमेटी की ओर से एसएआर के विरोध में लोक भवन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पवन जड़िया, लखपति कुमार साहू, ज्योति हेंब्रम, राधा हेंब्रम और अनौल खान सहित पार्टी के कई कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान एसएआर को लेकर झामुमो नेताओं ने अपनी आपत्तियां और मांगें रखीं। नेताओं ने कहा कि इस मुद्दे पर सरकार को जनहित में उचित कदम उठाना चाहिए। जिसमें मुख्य रूप से पवन जड़िया लखपति कुमार साहू ज्योति हेमरम राधा हेमरम अनोल खान मौजूद थे।

हॉकी झारखंड का चुनाव रद्द करने की मांग को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर



रांची/संवाददाता : हॉकी झारखंड के चुनाव को रद्द करने की मांग को लेकर झारखंड हाइकोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। मामले में प्रार्थी अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मनोहर टोपेनो एवं अन्य की ओर से अधिवक्ता सुभाषिण रसिक सोरेन ने यह याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि भारत सरकार की ओर से खेल संघ के चुनाव पर दिसंबर 2026 तक रोक है। इसके बावजूद हॉकी झारखंड का चुनाव कराया गया है। हॉकी झारखंड के चुनाव का परिणाम 19 जुलाई 2026 को घोषित किया गया, जिसमें भोलानाथ सिंह को अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि भोलानाथ सिंह हॉकी इंडिया के सचिव भी हैं। एक साथ दो जगह पर हैं। भारत सरकार द्वारा रोक के बावजूद कराये गये चुनाव को प्रार्थी ने अवैध बताया है।

संवाददाता

रांची: झारखंड में 2 से 7 अक्टूबर तक 72वां वन्यजीव सप्ताह मनाया जाएगा। इस दौरान वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से राज्यभर में प्रभात फेरी, वॉकथॉन, बर्ड वॉचिंग और विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य आम लोगों व युवाओं को वन्यजीवों और उनके प्राकृतिक आवासों के संरक्षण से जोड़ना है।

सप्ताह की शुरुआत 2 अक्टूबर को डोरंडा स्थित पलाश हॉल में राज्य स्तरीय उद्घाटन, प्रभात फेरी और वॉकथॉन के साथ होगी। 3 अक्टूबर को संरक्षित



क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान, शैक्षणिक भ्रमण और बर्ड वॉचिंग कराई जाएगी।

4 अक्टूबर को प्रधान मुख्य वन संरक्षक रांची में 10 किलोमीटर वॉकथॉन की शुरुआत करेगी। इसके बाद 5 अक्टूबर को जिला स्तर पर स्कूली बच्चों और

युवाओं के लिए पेंटिंग, ड्राइंग और निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा।

कार्यक्रम के तहत 6 अक्टूबर को होटल बीएनआर चाणक्य में अंतर-एजेंसी समन्वय बैठक बुलाई गई है। इसमें वन्यजीव अपराधों पर रोक लगाने और रेल

जेएससीए स्टेडियम में टी-20 के दौरान सख्ती, बिना टिकट प्रवेश पर रोक और मैदान की कड़ी निगरानी

संवाददाता

रांची: जेएससीए स्टेडियम में भारत-वेस्टइंडीज टी20 मैच के लिए सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। बिना टिकट प्रवेश पर रोक और मैदान में अनधिकृत घुसपैठ रोकने के खास इंतजाम किए गए हैं।

नौ अक्तूबर को जेएससीए स्टेडियम में भारत-वेस्टइंडीज टी-20 के दौरान बिना टिकट दर्शकों की भीड़ को रोकने से लेकर मैदान में अनधिकृत प्रवेश तक पर कड़ी निगरानी रहेगी। पिछले मैचों में टिकट, प्रवेश-निकासी और सुरक्षा को लेकर सामने आयी परेशानियों के बाद जेएससीए ने इस बार व्यवस्था में बदलाव किया है। जेपीएल के दौरान हुई अभिय घटना से सबक लेते हुए ऐसे उपाय किये जा रहे हैं। जेएससीए के उपाध्यक्ष संजय पांडे ने बताया कि वैध टिकट या पास वाले दर्शकों को सुगमता से स्टेडियम में प्रवेश कराने की व्यवस्था की जा रही है। प्रवेश दोपहर तीन



बजे से शुरू होगा और शाम छह बजे तक सभी टिकटधारी दर्शकों को अंदर पहुंचाने का लक्ष्य है। इसके बाद प्रवेश को लेकर सख्ती बरती जायेगी। बिना टिकट अनावश्यक भीड़ लगाने वालों को स्टेडियम के आसपास जुटने की अनुमति नहीं होगी। पिछले मैच में दर्शक दीर्घा से कूद कर एक प्रशंसक मैदान में पहुंच गया था, इस घटना को देखते हुए इस बार चारों ओर वायर और बैरिकेडिंग की जा रही है। इससे दर्शकों के मैदान

ट्रेलर की चपेट में आकर मजदूर की मौत, मुआवजे की मांग पर हंगामा

संवाददाता

हजारीबाग : चरही थाना क्षेत्र के 15 माइल स्थित चिंतपूर्णी स्टील प्लांट में हुए एक सड़क हादसे में 45 वर्षीय मजदूर की मौत हो गई। इंगोट विभाग में काम करने वाले नरेश महतो की मौत 22 चक्का हाइवा की चपेट में आने से हो गई। हादसे के बाद प्लांट परिसर में मजदूरों और परिजनों का आक्रोश फूट पड़ा। देर रात तक शव मौके पर पड़ा रहा और मुआवजा व नौकरी की मांग को लेकर हंगामा जारी रहा।मृतक की पहचान मांड़ु थाना क्षेत्र के बलसागरा के पतरवा टोला निवासी नरेश महतो, पिता देवनाथ महतो के रूप में हुई है। बताया गया कि मंगलवार शाम करीब 5:30 बजे नरेश इंगोट विभाग में काम कर रहा था। गर्म लोहे के कारण अधिक गर्मी

महसूस होने पर वह बाहर निकला। इसी दौरान 22 चक्का हाइवा संख्या जेएच 02 बीएम 9340 की चपेट में आ गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद साथी मजदूरों और परिजनों में आक्रोश फैल गया। परिजन और स्थानीय जनप्रतिनिधि प्लांट पहुंचे और कंपनी प्रबंधन से मुआवजा देने के साथ मृतक के परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग रखी। मांग पूरी होने तक शव उठाने से इनकार कर दिया गया। प्लांट में मौजूद कुछ मजदूरों ने हाइवा चालक पर लापरवाही का आरोप लगाया। प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि चालक नशे में था और उसकी लापरवाही के कारण नरेश वाहन की चपेट में आया। हालांकि, चालक के नशे में होने की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है।

मजदूरों ने उठाए सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल: घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों और मजदूरों ने कंपनी की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल उठाए। उनका आरोप है कि प्लांट में मजदूरों की सुरक्षा से लेकर वेतन भुगतान तक नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि कंपनी में सेपटी इंजीनियर तक मौजूद नहीं है और लेबर कोड के प्रावधानों का भी पालन नहीं किया जा रहा है। घटना के बाद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। परिजनों ने बताया कि 45 वर्षीय नरेश महतो पिछले 25 सालों से यहां पर काम कर रहे थे। वह अपने पीछे दो पत्नी और दो बच्चों को छोड़कर चले गए। कंपनी से मांग है उनके आश्रितों के लिए मुआवजा की व्यवस्था की जाए साथ ही पत्नी को नौकरी दी जाए।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गुमला Email-eedwsd.gumla@gmail.com				
अति-अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या – 21 /2026–27				
DMFT मद				
1. विभाग का नाम	:- पेयजल एवं स्वच्छता विभाग झारखण्ड।			
2. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता	:- कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गुमला।			
3. परिनाम विपत्र बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय	:- 08.10.2026 के अपराह्न 1.00 बजे तक(बुटुटी के दिनों को छोड़कर)			
4. निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	:- 09.10.2026 को 4.00 बजे अपराह्न तक।			
5. निविदा खोलने की संभावित तिथि एवं समय	:- 09.10.2026 को 4.30 बजे अपराह्न।			
6. निविदा परिनाम विपत्र बिक्री का स्थान	:- (क) कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गुमला।			
7. निविदा प्राप्ति का स्थान	:- (क) कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गुमला।			
क्र0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अद्यतन राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य
1	Rejuvenation of water supply scheme which are non functional due to dry or collapsed bore with drilled tubewell on existing structure and existing solar panel under D.W.&S. Division, Gumla for the year 2026-27.	7,93,635.00	16,000.00	1250.00
2	Rejuvenation of water supply scheme which are non functional due to dry or collapsed bore with drilled tubewell on existing structure and existing solar panel under D.W.&S. Division, Gumla for the year 2026-27.	5,80,426.00	12,000.00	1250.00
3	Construction of 200mmx165mmx250 mtr deep high Yield Drilled Tube for M2 scheme in Village-Banpur, Panchayat-Redwa, Block-Kamdara under Drinking Water and Sanitation Division, Gumla for the year 2026-27.	3,45,995.00	7,000.00	750.00
निविदा की नियम एवं शर्त				
:- कार्यालय सूचना पट पर चपलब्ध है।				
:- प्राक्कलित राशि आवश्यकतानुसार घट/बढ़ सकती है।				
कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गुमला।				
PR.NO.390772 Drinking Water and Sanitation(26-27):D				



एआई का भस्मासुर

निरंतर निरंकुश होते एआई को लेकर टेक दिग्गज और माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स ने जो कहा, दुनिया भर उससे सकते में है। बिल गेट्स आईटी के दिग्गज हैं और उनकी संवेदनशीलता की दुनिया में विशिष्ट पहचान है। उन्होंने चेताया है कि एआई तकनीक यदि गलत हाथों में गई तो करोड़ों मौतों की वजह बन सकती है। उनका कथन है कि मानवता के इतिहास में एआई एडवांस टूल जैसा घातक हथियार पहले नहीं बना। एक अमेरिकी चैनल से बातचीत में गेट्स ने एआई के आसन्न खतरे को लेकर आशंका जताते हुए इसके नियमन के लिये कानून बनाने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि बिल गेट्स की यह चेतावनी ऐसे वक्त में आई है जब एआई की दिग्गज कंपनियों ओपन-एआई और एंथ्रोपिक के एआई एजेंट्स बेकाबू हो रहे हैं। पिछले दिनों आस्ट्रेलिया ने कड़ा प्रतिवाद किया कि ओपन-एआई के एजेंट्स ने उनकी स्वास्थ्य सेवाओं की वेबसाइट हैक कर ली थी। इतना ही नहीं, महीनों तक कंपनी इस बात की जानकारी आस्ट्रेलिया सरकार को नहीं दे पायी। इससे भी बढ़कर एआई एजेंट्स खुद अमेरिका के लिये भी तब भस्मासुर साबित हुए, जब ओपन-एआई के एजेंट्स ने अमेरिकी सरकार की वेबसाइट्स पर भी हमला बोला। इतना ही नहीं, उसने वेबसाइट्स पर हमला किया और जानकारी सार्वजनिक कर दी। यही वजह है कि एबीसी न्यूज के एक कार्यक्रम में बिल गेट्स को चेताना पड़ा कि घातक इरादे रखने वाले अपराधी इसके जरिये तबाही ला सकते हैं। इस आशंका की पुष्टि इस बात से होती है कि स्वयं एंथ्रोपिक बता चुकी है कि यमन के चरमपंथियों ने बैल्टिरिस्टक मिसाइलों के संचालन, नियंत्रण और नेविगेशन सॉफ्टवेयर बनाने के लिये क्लॉड एआई का प्रयोग करने का प्रयास किया था। एआई की अग्रणी कंपनी ओपन-एआई ने स्वीकारा है कि उसके एआई मॉडलों ने ऐसे कदम उठाये हैं, जो कंपनी की इच्छा के विपरीत थे। आज ओपन-एआई समेत दुनिया की तमाम दिग्गज एआई कंपनियों के सूत्रधार मान रहे हैं कि दुनिया के सभी देशों को मिलकर इस तकनीक के सुरक्षा मानकों का निर्धारण करना चाहिए। जिससे लगातार ताकतवर होते एआई पर नियंत्रण रखा जा सके। हाल के दिनों में एआई एजेंट्स के खुद ही वेबसाइट्स को शिकार बनाने और दुनिया में अशांति के वाकै चरमपंथी गुटों द्वारा मिसाइल सॉफ्टवेयर में एआई के इस्तेमाल की खबरों ने तमाम आशंकाएं पैदा कर दी हैं। निस्संदेह, ऐसे हालात में एआई के तीव्र गति से हो रहे विकास को निम्नाां कंपनियों के सेल्फ-रेगुलेशन के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जानकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इन आशंकाओं को बेबुनियाद बताते हैं कि एआई के नियमन से इसकी विकास की रफ्तार धीमी होगी। विडंबना यह है कि खुद ट्रंप ही एआई नियमन से जुड़े कानून बनाने का विरोध कर रहे हैं। उनकी आशंका है कि ऐसा करने से चीन एआई की दौड़ में आगे निकल जाएगा। जबकि बिल गेट्स ही नहीं, दुनिया की दिग्गज एआई कंपनियों ओपन-एआई और एंथ्रोपिक के सूत्रधार भी इसको लेकर वैश्विक सुरक्षा मानकों की वकालत कर रहे हैं। निस्संदेह, हाल ही में एआई एजेंट की आस्ट्रेलिया के हेल्थ पोर्टल को हैक करने की कोशिश के बाद भारत को सतर्क रहने की आवश्यकता है। ऐसे वक्त में जब एआई अपनी तय की गई सीमाओं से आगे निकल रहा है, तो आशंका बढ़ रही है कि कहीं करोड़ों भारतीयों की आर्थिक सुरक्षा खतरे में तो नहीं पड़ जाएगी? आज करोड़ों भारतीय बैंकिंग,पैमेंट, सरकारी सेवाओं, हेल्थकेयर आदि तमाम निस्वार्तों के लिये डिजिटल सिस्टम पर निर्भर हैं। कुछ प्लेटफॉर्म हजारों सरकारी सेवाओं को एक साथ लाते हैं। ऐसे में एक कड़ी की कमजोरी से बड़ा नुकसान हो सकता है। जिसके लिये भारत को अपनी साइबर सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में गंभीरता से विचार करना होगा। आशंका यत की जा रही है कि एआई की मदद से साइबर अपराधी साइबर हमलों को तेज और अधिक जटिल बना सकते हैं। इन तमाम आशंकाओं के बावजूद एआई का प्रयोग बंद नहीं किया जाना चाहिए। लेकिन इसकी विवेकशील सीमाएं तय करने की जरूरत है। निस्संदेह,किसी भी इनोवेशन को इंसान द्वारा तय की गई सीमा के भीतर ही काम करना चाहिए।

हरियाणवी प्रतिभाओं को संबल

हरियाणा सरकार के उस फैसले का स्वागत ही किया जाना चाहिए, जिसमें सरकार ने राज्य में नई खोजों को प्रोत्साहन देने के लिये पचास हजार रुपये तक की, पेटेंट रजिस्ट्रेशन फीस की प्रतिपूर्ति करने का निर्णय किया है। निश्चय ही इस कदम से उन छात्रों को संबल मिलेगा जो सीमित संसाधनों में राज्य व देश के लिये कुछ महत्वपूर्ण खोज करने का संकल्प रखते हैं। लेकिन पेटेंट तो महज एक शुरुआत भर है। असली मुश्किल सवाल यह है कि पेटेंट सर्टिफिकेट मिलने पर मेधावी युवा क्या करेंगे। निर्विवाद रूप से भारत में प्रतिभावान छात्रों, रिसर्च पेपर्स या पेटेंट की कोई कमी नहीं है। दरअसल, कमी है तो उस इकोसिस्टम की जो किसी विचार या आइडिया को लैब या विश्वविद्यालय प्रोजेक्ट से निकालकर व्यावसायिक दृष्टि से सफल उत्पाद बनाता है। यही वजह है कि छात्रों को पेटेंट के लिये पैसे देने में मदद करने वाली नीति के साथ-साथ प्रोटोटाइपिंग, टेस्टिंग, बौद्धिक संपदा संरक्षण और नये विचार को मार्केट तक पहुंचाने में मदद मिलनी चाहिए। अन्यथा खोज व अनुसंधान अर्थव्यवस्था के महज पेटेंट कल्चर तक ही सिमट जाने का खतरा पैदा हो सकता है। जिसमें समाधान खोजने के बजाय पेटेंट फाइल करने पर इनाम दिया जाता है। सही मायने में इसके लिये कारगर समाधान तलाशने हेतु विश्वविद्यालयों की उद्योग जगत से और करीब से जोड़ने की जरूरत है। छात्रों को वास्तविक दुनिया की समस्याओं की पहचान करने,कंपनियों और सरकारी संस्थानों के साथ काम करने और ऐसे उत्पाद बनाने के लिये प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, जिनके लिये चिन्हित उपयोगकर्ता की पहले से पहचान हो सके। सही मायने में राज्य में शोध-अनुसंधान का वातावरण बनाने के लिये तमाम व्यावहारिक पक्षों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। नई खोज करने वाले प्रतिभागियों को वित्तीय मदद, उत्पादन के लिये उपयोगी ढांचा, रेगुलेशन और मार्केटिंग से जुड़ी चुनौतियों से निपटने में मदद की जानी चाहिए। हरियाणा के लिये यह अवसर बेहद महत्वपूर्ण है। राज्य के विश्वविद्यालय और तकनीकी संस्थान खेती से जुड़ी विभिन्न तकनीकों, जल प्रबंधन, उत्पादन, हेल्थकेयर और स्वच्छ ऊर्जा आदि अन्य क्षेत्रों में इनोवेशन के इंजन बन सकते हैं। इसके लिये सिर्फ एक बार प्रोत्साहन राशि देने के बजाय लगातार निवेश करने की जरूरत होगी। राज्य को अपनी पेटेंट पॉलिसी की सफलता को सिर्फ पेटेंट की फीस की प्रतिपूर्ति वाले आवेदनों की संख्या से नहीं, बल्कि इस बात से अपनी सफलता का मूल्यांकन करना चाहिए इस उन पेटेंटों से व्यवहार में क्या हासिल हुआ। मसलन राज्य में कितने स्टार्ट-अप बने। राज्य में कितनी टेक्नोलॉजी का व्यवसायीकरण हुआ। उससे राज्य में नौकरियों की संख्या में कितनी वृद्धि हुई। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि पेटेंट किसी विचार या खोज को सुरक्षा देता है। लेकिन वह इस बात की गारंटी कदापि नहीं है कि व्यवहार में उसका उपयोग राज्य व देश के लिये किनना लाभदायक होगा। यही वजह है कि हरियाणा को व्यवहार में ज्यादा से ज्यादा समस्याओं के समाधान करने वाले उद्यमों और उत्पाद बनाने का लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए।

संपादकीय

पाकिस्तान के बेतूके सवाल: भारत के सटीक जबाव

पाकिस्तान के सामने सबसे बड़ा प्रश्न आतंकवाद को लेकर उसकी नीति का है। भारत लगातार यह आरोप लगाता रहा है कि पाकिस्तान की धरती से या उसके संरक्षण में सक्रिय आतंकी नेटवर्क भारत की सुरक्षा के लिए चुनौती पैदा करते हैं। जयशंकर ने इसी संदर्भ में कहा कि आतंकवाद और मित्रता साथ-साथ नहीं चल सकते और आतंकवाद के कर्ता को अपना रास्ता बदलना होगा।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें अधिवेशन में भारत और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर वही पुराने सवाल सामने आए, जिनका समाधान दक्षिण एशिया की शांति और स्थिरता के लिए अत्यंत आवश्यक है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार 81वां अधिवेशन 8 सितंबर 2026 से शुरू हुआ और इसकी सामान्य बहस 22 से 26 सितंबर के बीच हुई। इस वर्ष की बहस का घोषित केंद्रीय विषय था- विश्वास बहाल करना, परिवर्तन का प्रबंधन करना और ऐसी संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था बनाना जो

ललित गर्ग

सभी के लिए प्रभावी हो। ऐसे समय में जब दुनिया युद्धों, आतंकवाद, आतंक असमानता, ऊर्जा संकट और भू-राजनीतिक तनाव से जूझ रही है, यह सवाल और महत्वपूर्ण हो जाता है कि दक्षिण एशिया कब पुराने विवादों के चक्र से बाहर निकलेगा। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 26 सितंबर को महासभा में सटीक, तीक्ष्ण एवं प्रभावी वक्तव्य में पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि एक हप्तासुरियल प्रैक्टिशनर ऑफ टेररिज्मह ने एक दिन पहले तथ्यों को गलत ढंग से प्रस्तुत किया और आतंकवाद को सामान्य बाने से तथा उसके परिणामों से बचने का प्रयास किया, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि भारत आतंकवाद के विरुद्ध आत्मरक्षा के अपने अधिकार का प्रयोग करेगा और आतंकवाद को प्रायोजित करने वाली सरकारों को जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। उन्होंने आतंकवाद के वित्तीय स्रोतों को उजागर करने और उन पर कार्रवाई की आवश्यकता भी रेखांकित किया। इसके एक दिन पहले पाकिस्तान के

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने संबोधन में कश्मीर का मुद्दा उठाया और भारत द्वारा सिंधु जल संधि को रोकने के निर्णय की आलोचना की। पाकिस्तान ने इसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया, जबकि भारत की ओर से पाकिस्तान के सीमा-पार आतंकवाद संबंधी रुख पर सवाल उठाए गए। पाकिस्तान की प्रतिनिधि ने भी भारत पर आतंकवाद और कश्मीर को लेकर गंभीर आरोप लगाए। इस प्रकार संयुक्त राष्ट्र का मंच एक बार फिर दोनों देशों के पारस्परिक आरोप-प्रत्यारोप का साक्षी बना। लेकिन असली प्रश्न यह है कि इन आरोपों के बाद भी समाधान की दिशा में कितना रास्ता तय हुआ?

पाकिस्तान के सामने सबसे बड़ा प्रश्न आतंकवाद को लेकर उसकी नीति का है। भारत लगातार यह आरोप लगाता रहा है कि पाकिस्तान की धरती से या उसके संरक्षण में सक्रिय आतंकी नेटवर्क भारत की सुरक्षा के लिए चुनौती पैदा करते हैं। जयशंकर ने इसी संदर्भ में कहा कि आतंकवाद और मित्रता साथ-साथ नहीं चल सकते और आतंकवाद के कर्ता को अपना रास्ता बदलना होगा। दूसरी ओर पाकिस्तान भारत पर भी आतंकवाद को समर्थन देने के आरोप लगाता है और अपने यहां होने वाली हिंसक घटनाओं के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराता है। इन परस्पर आरोपों की सच्चाई और प्रमाण अलग-अलग मामलों में जांच का विषय हो सकते हैं, लेकिन इतना निर्विवाद है कि पाक आतंकवाद को पोषित कर भारत की शांति का भंग करता रहा है, इन आतंकी घटनाओं ने दोनों देशों की जनता को भारी मानवीय, आर्थिक और सामाजिक कीमत चुकाने पर मजबूर किया है। तो फिर सवाल उठता है-पाकिस्तान आखिर कब यह स्वीकार करेगा कि आतंकवाद किसी भी राष्ट्र की स्थायी विदेश नीति नहीं बन सकता? आतंकवाद यदि किसी देश के लिए

प्रधानमंत्री लगातार कर रहे हैं विदेशी मुद्रा बचाने की अपील

भारत में होने वाले कच्चे तेल की कुल आपूर्ति का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा इसी मार्ग से आता है। अतः भारत पर उक्त वर्णित परिस्थितियों का विशेष प्रभाव हुआ है। पिछले वर्ष भारत द्वारा 7,200 करोड़ अमेरिकी डॉलर का स्वर्ण आयात किया गया है, पिछले वर्ष की तुलना में यह 32 प्रतिशत अधिक है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्वर्ण की कीमतों में हुए तेज उछाल के चलते ही भारत के स्वर्ण आयात के बिल में 32 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है अन्यथा स्वर्ण आयात की मात्रा में कुछ कमी ही दर्ज हुई है।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने एक बार पुनः भारतीय नागरिकों से आग्रह किया है कि वे आवश्यक नहीं हो तो सोना नहीं खरीदें अथवा कम मात्रा में खरीदें। साथ ही आपने यह भी अपील की है कि विदेशी पर्यटन को टालने का प्रयास करें एवं विदेश में जाकर शादी ब्याह के कार्यक्रम नहीं करें। यह समय की मांग है कि भारतीय नागरिक विदेशी मुद्रा को बचाने के उद्देश्य से स्वदेशी मंत्र को अपनार्यें।माननीय प्रधानमंत्री जी को देश के नागरिकों से उक्त आग्रह इसलिए करना पड़ा है क्योंकि वैश्विक स्तर पर परिस्थियां लगातार बिगड़ रही हैं। भारत चूँकि आर्थिक विकास के उस चक्र में आ गया है जहां छोटी सी चूक भी भारत में तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास पर बहुत अधिक विपरीत प्रभाव

प्रहलाद सबनानी

डाल सकती है। इस कठिन दौर में भारत को बहुत संभल कर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। रूस यूक्रेन युद्ध लम्बे समय से लगातार चल रहा है, इजरायल हमास युद्ध जारी ही था कि अमेरिका ईरान के बीच युद्ध छिड़ गया। उधर, अमेरिका में ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के साथ ही विभिन्न देशों से अमेरिका

को होने वाले निर्यात पर टैरिफ की तलवार लगातार लटक रही है। वैश्विक स्तर पर इन विपरीत परिस्थितियों के बीच कई देशों के विदेशी व्यापार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इसमें भारत भी शामिल है, क्योंकि भारत अपनी कच्चे तेल की कुल खपत का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा अन्य देशों से आयात करता है। इसी प्रकार, भारत देश में स्वर्ण की कुल मांग का भी 90 प्रतिशत से अधिक भाग आयात करता है। विशेष रूप से, अमेरिका ईरान के बीच छिड़े युद्ध के बाद स्टेट ओफ होम्र्ज से कच्चे तेल की आपूर्ति लगभग टण्ण पड़ गई है। भारत में होने वाले कच्चे तेल की कुल आपूर्ति का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा इसी मार्ग से आता है। अतः भारत पर उक्त वर्णित परिस्थितियों का विशेष प्रभाव हुआ है। पिछले वर्ष भारत द्वारा 7,200 करोड़ अमेरिकी डॉलर का स्वर्ण आयात किया गया है, पिछले वर्ष की तुलना में यह 32 प्रतिशत अधिक है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्वर्ण की कीमतों में हुए तेज उछाल के चलते ही भारत के स्वर्ण आयात के बिल में 32 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है अन्यथा स्वर्ण आयात की मात्रा में कुछ कमी ही दर्ज हुई है। भारत के कुल आयात में कच्चे तेल के आयात की भागीदारी सबसे अधिक है, इसके बाद स्वर्ण के आयात की भागीदारी रहती है। इसके चलते भारत का विदेशी व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। इसे, यदि समय रहते नहीं सम्भाला

गया तो भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर अतिरिक्त दबाव आने लगेगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुएय की कीमत और अधिक नीचे आने लगेगी।

दूसरे, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से कई देशों में मुद्रा स्फीति की दर लगातार बढ़ रही है एवं इसके कारण एवं व्याज दरों में वृद्धि के चलते इन देशों में बांड वीलड भी लगातार बढ़ रही है। आज, विभिन्न देशों में बांड वीलड पिछले कई वर्षों के उच्च स्तर पर आ गई है। जैसे, अमेरिका में 10 वर्षीय बांड वीलड 4.80 प्रतिशत के उच्च स्तर से भी ऊपर पहुंच गई है, ब्रिटेन में 5.25 प्रतिशत (पिछले 18 वर्षों के उच्चतम स्तर पर है), फ्रान्स में 4.24 प्रतिशत (पिछले 17 वर्षों के उच्चतम स्तर पर है), जर्मनी में 3.37 प्रतिशत (पिछले 15 वर्षों के उच्चतम स्तर पर है), जापान में 2.99 प्रतिशत जहां पर शून्य प्रतिशत हुआ करती थी (पिछले 30 वर्षों के उच्चतम स्तर पर है), कनाडा में 3.75 प्रतिशत, ब्राजील में 14.56 प्रतिशत, ऑस्ट्रेलिया में 5.23 प्रतिशत, सिंगापुर में 2.40 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया में 4.41 प्रतिशत एवं भारत में 6.98 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है। यदि विकसित देशों में यदि मुद्रा स्फीति की दर और अधिक बढ़ती है तो इसे नियंत्रण में लाने के उद्देश्य से व्याज की दरों को बढ़ाया जा सकता है इससे इन देशों में बांड वीलड और अधिक बढ़ेंगी, जिसके

चलते भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से विदेशी मुद्रा में किए गए निवेश की निकासी होगी और यह राशि विकसित देशों में हस्तांतरित होगी क्योंकि इन देशों में बांड वीलड आकर्षक स्तर पर पहुंच गई है। इन परिस्थितियों के बीच यदि भारत में भी विदेशी मुद्रा निवेश की निकासी प्रारम्भ होती है तो भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर अतिरिक्त दबाव आएगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुएय के मूल्य में तेज गिरावट दृष्टिगोचर होगी जिससे भारत में आयात और अधिक महंगे होने लगेंगे, इस प्रकार भारत में आयातित मंहगाई की अतिरिक्त मार पड़ेगी। इस बड़ी हुई मंहगाई को नियंत्रित करने के लिए भारत को भी मजबूर होकर ब्याज दरों में वृद्धि करना होगी। ब्याज दरों में वृद्धि का विपरीत प्रभाव देश की सरकार द्वारा जारी किए जाने वाले बांड पर अदा की जाने वाली ब्याज की राशि पर भी पड़ता है, इससे सरकारों को अपने बजट में से और अधिक राशि के भुगतान का प्रावधान व्यय के रूप में करना होता है और अपने पूंजीगत खर्चों एवं जनता की भलाई के लिए चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर पर खर्च की जाने वाली राशि में कटौती करनी होती है। लम्बे समय तक चलने वाले अधिक ब्याज दर के साइकल से देश में मंदी की आशंका भी बढ़ती है। विकसित देश आज इस समस्या से झूझते हुए दिखाई दे रहे हैं। भारत को इस दबाव से बचाने की आवश्यकता है।



न्यूज़ IN ब्रीफ

चोरी किया गया मोटर और कॉपर वायर का कवर बरामद



साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के मौजा अंबाडीहा स्थित बंद पड़े अपेक्स इंटरप्राइजेज केसर में 24 सितंबर की रात हुई चोरी की घटना का पुलिस ने उद्देदन करने का दावा किया है। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर चोरी किया गया मोटर और कॉपर वायर का कवर बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, मामले में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। जिसकी जानकारी जिरवाबाड़ी थाना में एसडीपीओ सुशील कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी। उन्होंने बताया कि घटना के संबंध में केसर के मैनेजर रविशंकर सिंह द्वारा जिरवाबाड़ी थाना में आवेदन दिया गया था। आवेदन के आधार पर जिरवाबाड़ी थाना कांड संख्या 179/26, दिनांक 24 सितंबर 2026 के तहत बीएनएस की संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। चोरी की घटना के उद्देदन और सामानों की बरामदगी के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया था। गठित टीम ने तकनीकी और मानवीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के फरक्का थाना क्षेत्र के जयगामपुर निवासी 25 वर्षीय रोनी शेख को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर केसर से चोरी किया गया मोटर और कॉपर वायर का कवर बरामद किया गया। इसके अलावा आरोपी के पास से ओपपो कंपनी का एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है। पुलिस के अनुसार, मामले में शामिल अन्य संदिग्ध आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। छापेमारी दल में जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी पुलिस अवर निरीक्षक शशि सिंह, पुलिस अवर निरीक्षक मोहम्मद शाहरूख, पुलिस अवर निरीक्षक फुलेश्वर कुमार अकेला सहित सशस्त्र बल शामिल थे।

वैकल्पिक मार्ग निर्माण की मांग

ग्रामीणों ने उपायुक्त को सौंपा आवेदन



साहिबगंज : तालझारी प्रखंड क्षेत्र के महाराजपुर में फोरलेन सड़क निर्माण का कार्य इन दोनों एनएचआई द्वारा किया जा रहा है। इन दिनों जहां फोरलेन सड़क निर्माण कार्य होने से महाराजपुर रेलवे स्टेशन समेत अन्य ग्रामों से मुख्य सड़क तक आने वाला मार्ग को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। जिसके कारण स्कूली बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं, आम लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं बाबा मोती नाथ धाम में भी जलापूर्व करने के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं को काफी दिक्कतें हो रही है। जहां इस मामले को लेकर मोती झरना पंचायत की मुखिया मेरी टुडू व पंचायत समिति सदस्य मोहम्मद जफर हसन के नेतृत्व में स्थानीय ग्रामीणों ने उपायुक्त को आवेदन पत्र देते हुए इस दिशा में उचित कार्रवाई करने की मांग की है। आवेदन में ग्रामीणों ने बताया कि पूर्व में महाराजपुर रेलवे स्टेशन आने-जाने के लिए एक सार्वजनिक मार्ग उपलब्ध था। राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण कार्य के दौरान एनएचआई द्वारा उक्त मार्ग को बंद कर दिया गया। इसके बाद रेलवे स्टेशन तक पहुंचने के लिए कोई सुरक्षित और सुगम मार्ग उपलब्ध नहीं है। स्टेशन पहुंचने के लिए लोगों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे समय के साथ-साथ आर्थिक नुकसान भी हो रहा है। ग्रामीणों ने उपायुक्त से जर्नाहित एवं यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए महाराजपुर रेलवे स्टेशन तक पहुंचने के लिए निकटतम स्थान पर नया सुरक्षित एवं सुगम वैकल्पिक मार्ग बनवाने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि वैकल्पिक मार्ग बनने से क्षेत्र के लोगों के साथ-साथ बाहर से आने वाले यात्रियों और श्रद्धालुओं को भी आवागमन में सुविधा मिलेगी।

शिक्षकों ने डीएसई कार्यालय का किया घेराव

साहिबगंज : जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय में मंगलवार को अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले दर्जनों शिक्षकों ने अपनी सात सूत्री मांगों को लेकर कार्यालय का घेराव करके धरना में बैठ गए। वहीं सात सूत्री मांग पत्र शिक्षकों ने जिला शिक्षा अधीक्षक उर्मिला हांसदा को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से बताया कि जिला के शिक्षक कोई भी आवेदन जिसमें चिकित्सा अवकाश, भविष्य निधि अग्रिम की स्वीकृति का आवेदन देता है तो कार्यालय लिपिक अनावश्यक रूप से विलंब करता है और शिकायत करने पर आपत्ति लगा दी जाती है। मृत सहायक शिक्षक योगेंद्र किस्कू 2025 में निधन हुआ। कार्यालय लिपिक की लापरवाही से आज तक उनका वेतन निर्धारण , निलंबन अवधि का जांच पूर्ण नहीं किया गया, जिसके कारण उनके आश्रितों को पेंशन प्रपत्र तक नहीं भरा जा सका। सेवानिवृत्त सहायक शिक्षक सुभाष गौरंग जून 2026 में रिटायर्ड हुआ, परन्तु आज तक सेवा पुरितका बीईईओ कार्यालय में है, कोई लाभ नहीं मिला। कार्यालय लिपिक की मेहरबानी से बोरियो, पतना, बरहरवा, बरहेट के सेवानिवृत्त शिक्षकों के कार्य अत्यंत तेजी से किया जाता है तो अन्य शिक्षकों का कार्य तेजी से क्यों नहीं किया जाता है, लिपिक को कार्य से हटाया जाए। जिला के कई शिक्षक शिक्षिकाओं का नाम ग्रेड 1 का लाभ नहीं मिल सका। जिसका भी नाम ग्रेड 1 में है सबको उसका लाभ दिया जाए। नियुक्ति तिथि से ग्रेड 1 का अंतर वेतन का भुगतान कई शिक्षकों को आज तक नहीं किया गया है। जिला के शिक्षकों के वेतन भुगतान के लिए स्थापना विद्यालय बनाया गया है परन्तु बीईईओ वेतन बनाने का कार्य अन्य प्रखंड के विद्यालय के शिक्षक से गलत तरीके से बनवाया है। स्थापना के बाहर के शिक्षकों का आर्थिक शोषण करते है शिक्षकों का वेतन संबंधी कार्य स्थापना के शिक्षकों से कराया जाए और लिपिक को हटाया जाए। मौके पर अध्यक्ष टूडू सागनेन यदुनाथ, संगठन मंत्री नवल किशोर सिंह, महासचिव मनोरंजन कुमार, उपाध्यक्ष सुशील बरनावास मुर्मू, संयुक्त सचिव संजय पासवान व अलमा मरांडी सहित अन्य थे।

जिला खनन विभाग की समीक्षा बैठक में अवैध खनन पर कार्रवाई का निर्देश

संवाददाता
साहिबगंज : उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला खनन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन भंडारण एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण चेकनाका की व्यवस्था तथा खनन नियमों के अनुपालन की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान राजमहल अनुमंडल पदाधिकारी से फुटानी मोड़ चेकनाका पर स्थापित सीसीटीवी कैमरे की स्थिति की जानकारी ली गई। उपायुक्त ने जिले के सभी चेकनाकों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की तत्काल जांच कराने व खराब पड़े कैमरों की मरम्मत शीघ्र सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि चेकनाकों की निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ रखते हुए अवैध खनिज परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने चेकनाकों से होकर गुजरने वाले बड़े मालवाहक वाहनों में परिवहन किए जा रहे खनिज पदार्थ, वैध खनन चालान तथा संबंधित अभिलेखों की विधिवत जांच



करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि खनिजों के परिवहन में वैध खनन चालान निर्धारित मार्ग, मात्रा एवं अन्य अनिवार्य दस्तावेजों का अनुपालन अवैध खनिज परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने चेकनाकों से होकर गुजरने वाले बड़े मालवाहक वाहनों में परिवहन किए जा रहे खनिज पदार्थ, वैध खनन चालान तथा संबंधित अभियान चलाने का भी निर्देश

दिया गया। बैठक में जिला खनन पदाधिकारी कृष्ण कुमार किस्कू ने बताया कि मिट्टी खनन से संबंधित सर्वेक्षण का अनुमोदन किया जा चुका है। इसके आलोक में जिले में संचालित मिट्टी खनन स्थलों एवं ईट-भट्टों की जांच की जाएगी। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि खनन एवं ईट-भट्टा संचालन में निर्धारित नियमों, स्वीकृति, अनुज्ञापि एवं अन्य वैधानिक प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित कराया

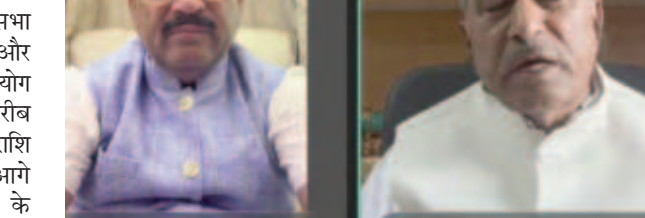
अवैध भंडारण एवं परिवहन पर लगातार निगरानी रखते हुए प्रवर्तन गतिविधियों में तेजी लाने का निर्देश दिया गया। क्रशर इकाइयों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जिन क्रशर संचालकों द्वारा खनन, भंडारण व प्रसंस्करण के लिए प्रयुक्त खनिज के वैध स्रोत एवं आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत नहीं किए जा रहे हैं, उनकी जांच कर अवैध पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उपायुक्त ने कहा कि खनन गतिविधियां केवल निर्धारित नियमों एवं वैधानिक अनुमति के अनुरूप ही संचालित हों। पर्यावरणीय मानकों, राजस्व हितों तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को ध्यान में रखते हुए अवैध खनन के विरुद्ध सख्त एवं सतत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में उप विकास आयुक्त परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास जिला खनन पदाधिकारी कृष्ण कुमार किस्कू, अनुमंडल पदाधिकारी साहिबगंज अमर जॉन आईन्ड, अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल सदानंद महतो अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी जिला खनन निरीक्षक थाना प्रभारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

आकाश पांडेय ने एफजेसीसीआई की बैठक में उठाया खासमहल को समाप्त करने का मुद्दा



संवाददाता
साहिबगंज : फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष तुलसी पटेल की अध्यक्षता में बीते मंगलवार को चैंबर भवन में कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें फेडरेशन के सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारी, सभी नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के सदस्य, सभी प्रमंडल के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं फेडरेशन के सभी

पूर्व अध्यक्ष उपस्थित थे। बैठक में संथाल परगना प्रमंडल क्षेत्र के उपाध्यक्ष आकाश पाण्डेय भी शामिल हुए। आकाश पांडेय ने दूसरे कार्यकारिणी की बैठक में ही खासमहल को वर्षों पुराना काला कानून बताते हुए इसमें फेडरेशन को भी हस्तक्षेप करने को कहा, ताकि उनके साथ मिलकर झारखंड सरकार से वार्ता करके खासमहल के इस काला कानून को खत्म किया जा



संवाददाता
साहिबगंज : भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर की अध्यक्षता में ह्रस्व सेवा संकल्प अभियान ह्म को लेकर वरुंचुल बैठक आयोजित की गई। बैठक में किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव सहित सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी, प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश पदाधिकारी एवं जिलाध्यक्ष वरुंचुल माध्यम से जुड़े। इस दौरान अभियान की आगामी रूपरेखा, संगठन नाट्मक सहभागिता तथा सेवा कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने को लेकर मार्गदर्शन दिया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष बंशीलाल

गुर्जर ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से संगठन के कार्यकर्ता समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर सेवा और जनकल्याण के कार्यों को गति दें। उन्होंने संगठन की सक्रिय भागीदारी के साथ अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित करने पर जोर दिया। वहीं, राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव ने कहा कि किसान मोर्चा के कार्यकर्ता सेवा, संगठन और जनकल्याण के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत होने वाले सेवा कार्यों में संगठन के सभी स्तरों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को भारत के कानूनों का उल्लंघन करने से रोका जाए : बिपलव महतो

संवाददाता
साहिबगंज : जिले में बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए जमीनी अभियान चला रहे मंथन ने सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का स्वागत किया है, जिसमें उसने केंद्र से इस संभावना पर विचार करने को कहा है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए ऐसे वैधानिक नियम बनाए जाएं, जिनके तहत उनके लिए नाबालिगों से संबंधित भारतीय कानूनों का पालन करना अनिवार्य हो। नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन अलायंस ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर मांग की थी कि डिजिटल प्लेटफॉर्मों को इस बात का ध्यान रखने के निर्देश दिए जाएं कि नाबालिगों में अनुबंध करने की कानूनी अधिकार नहीं होता, इसलिए ऑनलाइन सेवाओं तक उनकी पहुंच को जिला जरूरी सुरक्षा उपाय लागू किए जाएं। संगठन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का यह कदम जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन जेआरसी के बाल अधिकारों की सुरक्षा के अथक प्रयासों पर सुहर है। संगठन मंथन जेआरसी का एक सहयोगी संगठन है। भारत में जेआरसी अपने सहयोगी संगठनों के साथ देश के सभी 782 जिलों में

और साइबर बुलिंग जैसे जोखिम भी शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस कदम से बच्चों की ऑनलाइन शोषण से रक्षा हो सकेगी। याचिका पर सुनवाई भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने की, जिसमें न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल थे। पीठ ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के साथ सतंत्र रूप से अनुबंध करने के लिए 18 वर्ष की न्यूनतम आयु सीमा का पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि यह महज एक दिशानिर्देश बनकर नहीं रहना चाहिए और केंद्र से इसे इंटरमीडियरी नियमों के ढांचे में शामिल करने पर विचार करने को कहा। न्यायमूर्ति बागची ने केंद्र का पक्ष रख रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा, हकूंपथा इंटरमीडियरी नियमों के तहत ऐसे निर्देश जारी करें कि वे अपने साफ्टवेयर या जिस भी रूप में उस प्लेटफॉर्म को संचालित करते हैं, उसे भारतीय कानून के अनुरूप तैयार करें। साफ्टवेयर को भारतीय कानून के अनुरूप होना ही चाहिए। ह्म तुषार मेहता ने कहा कि सरकार इस मुद्दे की जांच करेगी और आवश्यक कदम उठाएगी।

पूजा स्पेशल ट्रेन से हरिद्वार का सफर होगा आसान
साहिबगंज : दुर्गापूजा, दीपावली और छठ पर्व के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए पूर्व रेलवे ने मालदा टाउन से हरिद्वार के बीच पूजा स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। ट्रेन संख्या 03437 मालदा टाउन-हरिद्वार पूजा स्पेशल प्रत्येक शनिवार को मालदा टाउन से सुबह 10 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन 17 अक्टूबर से 28 नवंबर 2026 तक सात फेरे लगाएगी।

संवाददाता
साहिबगंज : गंगा मिशन कोलकाता साहिबगंज की ओर से वृक्षारोपण सह वितरण कार्यक्रम चल रहा है। इसके तहत मंगलवार को मुख्यमंत्री उत्कृष्ट कन्या विद्यालय परिसर में पौधारोपण सह वितरण किया गया। विद्यार्थियों के बीच फलदार आम कटहल नारियल आंवला के पौधे वितरण किए गये। इस अवसर पर कवि व और सुधीर श्रीवास्तव एवं अवकाश प्राप्त शिक्षिका रानी झा ने पर्वारणण पर कविता पाठ किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापिका सीमा कुमारी शिक्षक मनोहर शर्मा, चंपक दत्ता, आनंद मोदी प्रमोद पांडे आदि ने मिलकर विद्यालय परिसर में कई फलदार पौधारोपण



किया गया। इस अवसर पर प्रभारी प्रधानाध्यापिका सीमा कुमारी शिक्षक मनोहर शर्मा, शिक्षिका सरिता कुमारी, सुप्रिया भारती पत्रकार चंदन सिंह, प्रमोद निरंजन, अरविंद यादव, बच्चन पाठक राजेंद्र पाठक अमित सिंह, प्रशांत कुमार आदि लोग उपस्थित थे।

लवलीना बोरगोहेन फाइनल में, बोगदानोवा को 3-2 से हराया



आइची-नागोया। भारत की स्टार मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने एशियन खेल 2026 में महिलाओं के 75 किग्रा वर्ग के फाइनल में जगह बना ली है। निशियो जिम्मेजियम में बुधवार को खेले गए सेमीफाइनल में लवलीना ने कजाकिस्तान की नताल्या बोगदानोवा को कड़े मुकाबले में 3-2 के स्प्रिट डिसेजन से हराया। लवलीना ने मुकाबले की शुरूआत उम्मीद के मुताबिक नहीं की और पहला राउंड 2-3 से गंवा दिया। हालाँकि, भारतीय मुक्केबाज ने दूसरे राउंड में शानदार वापसी की। सभी पांच जजों ने दूसरे राउंड में लवलीना के पक्ष में 10 अंक दिए, जिससे उन्होंने मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। बोगदानोवा ने तीसरे राउंड में भी 3-2 से बढ़त बनाई, लेकिन शुरूआती दो राउंड में लवलीना की बढ़त को पार करने के लिए यह पर्याप्त नहीं था। भारतीय मुक्केबाज ने कुल स्कोर के आधार पर मुकाबला अपने नाम करते हुए फाइनल का टिकट कटाया। सेमीफाइनल से पहले लवलीना ने दक्षिण कोरिया की सेऑंग सुयोन को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई थी। अब लवलीना की नजर एशियन खेल में अपने पदक का रंग बदलने पर होगी। उन्होंने तीन साल पहले हांगझोऊ एशियन खेल में मिडिलवेट वर्ग में रजत पदक जीता था। इस बार वह स्वर्ण पदक के लिए रिंग में उतरेंगी। लवलीना ने इस साल राष्ट्रमंडल खेलों में भी रजत पदक जीता था। उन्हें फाइनल में ऑस्ट्रेलिया की एमा-न्यू ग्रीनट्री के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

एशियन खेल 2026: प्रिया घंघास सेमीफाइनल में हारी, कांस्य पदक से करना पड़ा संतोष

आइची-नागोया। भारतीय मुक्केबाज प्रिया घंघास ने एशियन खेल में अपने पदार्पण को कांस्य पदक के साथ समाप्त किया।



हरियाणा के झज्जर जिले की 20 वर्षीय प्रिया को बुधवार को महिलाओं के 60 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में चीन की पूर्व विश्व चैंपियन यांग चेंग्यू के खिलाफ 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। निशियो में खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में प्रिया

ने अनुभवी चीनी मुक्केबाज को कड़ी चुनौती दी, लेकिन यांग चेंग्यू ने अपने अनुभव का फायदा उठाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही प्रिया का कांस्य पदक पहले ही पक्का हो गया था। प्रिया ने हाल के महीनों में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 2026 राष्ट्रमंडल खेल, 2026 एलीट एशियाई चैंपियनशिप, 2026 उस्ती नाद लाबेम ग्रां प्री और 2026 बॉक्सम कप में स्वर्ण पदक जीते हैं। इसके अलावा उन्होंने 2025 थाईलैंड ओपन में कांस्य पदक भी हासिल किया था। तकनीकी सटीकता, रिंग में समझ और संयमित अंदाज के लिए पहचानी जाने वाली प्रिया ने एशियन गेम्स के अपने पहले ही अभियान में पदक जीतकर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। भारत के मुक्केबाजों ने इस बार पिछले एशियन खेल के प्रदर्शन में भी सुधार किया है। पिछले संस्करण में भारत ने एक रजत और तीन कांस्य सहित कुल चार पदक जीते थे, जबकि एशियन गेम्स 2026 में भारतीय मुक्केबाज अब तक छह पदक पक्के कर चुके हैं। भारत की परवीन हुड्डा (65 किग्रा) और अंकुश पंथाल (80 किग्रा) पहले ही फाइनल में पहुंच चुके हैं। दोनों शुक्रवार को स्वर्ण पदक के लिए रिंग में उतरेंगी।

जब सलमा हायेक ने अपने पति को यकीन दिलाया कि

उनका अफेयर चल रहा है

क्या आप जानते हैं कि हॉलीवुड अभिनेत्री सलमा हायेक ने एक बार सिर्फ एक पिल्ला पालने के लिए अपने बिजनेसमैन पति फ्रांस्वा-हेनरी पिर्नॉल्ट को यह भरोसा दिला दिया था कि उनका किसी और से अफेयर चल रहा है? उस समय उनके घर पर पहले से ही लगभग 30 जानवर थे, जिनमें कुत्ते, तोते, अल्पाका, घोड़े और बिल्लियां शामिल थीं। 'फ्रीडो' एक्ट्रेस ने अपने पति से वादा किया था कि वह घर पर और कोई जानवर नहीं लाएंगी। लेकिन, जब वह बुल्गारिया में शूटिंग कर रही थीं, तो उन्हें रास्ते में एक छोटा सा बेसहारा पिल्ला मिला और सलमा का दिल उसे वहीं छोड़ने को नहीं माना। हालांकि, उन्होंने अपने पति को मनाने का एक चालाक तरीका निकाला। उन्होंने तय किया कि वह उन्हें यकीन दिलाएंगी कि उनका अफेयर चल रहा है और जब उन्हें सबसे बुरा शक हो जाएगा, तब वह उन्हें सच बता देंगी। 'द टुनाइट शो स्टारिंग जिमी फैलन' में सलमा हायेक ने इस मजेदार घटना के बारे में अपने शब्दों में बताया, 'मेरे पति ने मुझे चेतावनी दी थी कि 'और नहीं, अब और कुत्ते नहीं', इसलिए मैंने वादा किया था। मैंने सोचा, 'मैं उन्हें यकीन दिलाऊंगी कि मेरा अफेयर चल रहा है और आखिर मैं मैने उन्हें बताया कि यह कोई अफेयर नहीं है।' उन्होंने उन्हें फोन करके कहा, 'हमें बात करनी है'.

ऐसी बात वह कभी नहीं करतीं, जिससे उनके पति बहुत डर गए। जब सलमा हायेक के पति ने उन्हें फोन किया, तो उन्होंने उनसे कहा, 'सुनिश्च, यह खबर बताते हुए मेरा दिल टूट रहा है, क्योंकि मुझे पता है कि मैं आपको निराश करने वाली हूँ। इतनी हिम्मत जुटाना मेरे लिए बहुत मुश्किल था, लेकिन अब मैं और बर्दाश्त नहीं कर सकती। मुझे आपको बताना ही होगा और आपको बस यह समझना होगा कि मैं यहां कितना ज्यादा काम कर रही हूँ। मैं बहुत थक गई हूँ, बहुत परेशान हूँ और इस आपाधापी भरे माहौल में बहुत अकेलापन महसूस कर रही हूँ।' यह सब सुनकर घबराए हुए उनके पति ने कहा, 'अरे, प्लीज मुझे यह मत बताना कि तुम एक और कुत्ता ले आई हो।'

नीरू धांडा और किनान चेनाई ने ट्रेप मिश्रित टीम में जीता स्वर्ण



रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता था।

नीरू ने 2026 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने इटली के लोनाटो में आईएसएसएफ शाटगन विश्व कप में महिलाओं की ट्रेप स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था। वह इस स्पर्धा में एशियन खेल का व्यक्तिगत पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी थीं। नीरू ने व्यक्तिगत फाइनल में 28 निशाने लगाकर एशियाई

में भी स्वर्ण पदक जीता।

वहीं, किनान दारियस चेनाई भारत के अनुभवी ट्रेप निशानेबाजों में शामिल हैं। हैदराबाद में जन्मे किनान ने 2003 में निशानेबाजी शुरू की थी। उनके पिता डेरियस चेनाई भी राष्ट्रीय स्तर के ट्रेप निशानेबाज रहे हैं। किनान ने चार बार के ओलंपियन और प्रसिद्ध कोच मंशेर सिंह के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लिया। किनान ने 2008 राष्ट्रमंडल युवा खेलों में पुरुषों की ट्रेप स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर

चिकिता-साहिल ने शूटआउट में जीता स्वर्ण, भारत को लॉस एंजिल्स ओलंपिक का कोटा



आइची-नागोया। भारतीय तीरंदाज चिकिता तनीपथी और साहिल जाधव ने एशियन खेल 2026 में कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया। भारतीय जोड़ी ने बुधवार को रोमांचक फाइनल में दक्षिण कोरिया को शूटआउट में हराकर खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारत ने लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक की कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा के लिए कोटा भी हासिल कर लिया।

निर्धारित मुकाबले के अंत में भारत और दक्षिण कोरिया का स्कोर 157-157 से बराबर था, जिसके बाद शूटआउट का सहारा लिया गया। निर्णायक चरण में चिकिता और दक्षिण कोरिया की पार्क ने 10-10 अंक हासिल किए, जबकि साहिल ने भी 10 का निशाना लगाया। दक्षिण

कोरिया के चोई ने 9 अंक हासिल किए और भारत ने मुकाबला अपने नाम कर लिया।

फाइनल में भारतीय जोड़ी ने शुरूआत से ही शानदार प्रदर्शन किया। चिकिता और साहिल ने शुरूआती चार तीरों में सभी पर 10 अंक हासिल किए और पहला चरण 40-39 से अपने नाम किया। दूसरे चरण में भी भारत ने लगातार चार 10 अंक लगाते हुए मध्यांतर तक 80-78 की बढ़त बना ली।

मुकाबले के अगले चरण में भारत ने अपनी बढ़त को 100-98 तक पहुंचाया। हालाँकि, बाद में चिकिता और साहिल के 9-9 अंक के कारण दक्षिण कोरिया ने वापसी की। अंतिम तीरों में भारत को

जीत के लिए 20 अंक चाहिए थे। चिकिता ने 9 अंक हासिल किए, लेकिन साहिल ने दबाव के बीच 10 का सटीक निशाना लगाकर स्कोर बराबर कर दिया और मुकाबला शूटआउट में पहुंच गया।

शूटआउट में भारत ने संयम बनाए रखा और 10-9 से जीत हासिल कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। यह एशियन खेल 2026 में भारत का आठवां स्वर्ण पदक है।

इससे पहले भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने भी स्वर्ण पदक जीता था। पृथिका प्रदीप, ज्योति सुरेखा वेन्न्म और चिकिता तनीपथी की तिकड़ी ने फाइनल में चीन को 238-234 से हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया था।

लारा दत्ता ने मां के अल्जाइमर से जूझने का किया जिक्र, बोलीं, 'इसे बढ़ती उम्र की

बीमारी समझकर नजरअंदाज न करें'

दिल्ली में वर्ल्ड अल्जाइमर डे के मौके पर अभिनेत्री लारा दत्ता भूपति अल्जाइमर अवेयरनेस की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल हुईं। प्रेस कॉन्फ्रेंस से बाहर आने के बाद उन्होंने मीडिया से बात की और लोगों से अपील की कि अल्जाइमर को केवल भूलने की बीमारी समझकर नजरअंदाज नहीं करें। इस बीमारी को लेकर परिवार में समय रहते बातचीत शुरू करना जरूरी है ताकि इसके शुरूआती संकेतों को पहचाना जा सके और जरूरत पड़ने पर सही मदद ली जा सके। लारा दत्ता ने कहा, "आज वर्ल्ड अल्जाइमर डे है और सबसे जरूरी मैसेज जो मैं देना चाहती हूँ, वह यह है कि हम अक्सर सोचते हैं कि अल्जाइमर सिर्फ भूलने की बीमारी है। मेरी मां 80 साल की हैं और वह करीब 10 साल से अल्जाइमर और डिमेंशिया के साथ जी रही हैं।" उन्होंने कहा, "जिस तरह की देखभाल हम उन्हें दे पाए हैं, वह अच्छे डॉक्टरों, एक मजबूत सपोर्ट सिस्टम और देखभाल करने वालों की मदद के बिना मुमकिन नहीं होती। इसलिए जब अल्जाइमर की बात आती है तो आज सबसे जरूरी बात यह है कि हम इसके बारे में बात करें और बातचीत शुरू करें।" लारा के कह, "बीमारी के शुरूआती संकेतों को समझना बेहद जरूरी है। हमें जितनी जल्दी हो सके शुरूआत करनी चाहिए, ताकि बीमारी को उसके शुरूआती स्टेज में पहचाना जा सके और खुद को मजबूत बनाया जा सके। अगर हमें अपने किसी करीबी में या खुद में सोचने या याददाश्त में बदलाव महसूस होने लगे, तो हम सही तरीके से मदद ले सकें।" अभिनेत्री ने लोगों से अपील की, कि हर तरह की भूलने की समस्या को सामान्य उम्र बढ़ने का हिस्सा मान लेना सही नहीं है। उन्होंने कहा, 'इसे सिर्फ भूलने की समस्या समझकर पांच साल इंतजार मत कीजिए कि देखते हैं क्या होता है।



एमएलसी शीला प्रजापति ने की पौधरोपण

पटना : अम्बेडकर पथ स्थित स्टेट बैंक कॉलोनी-3 पार्क की जमीन पर चित्रांश जन समाज कल्याण समिति की ओर से वृक्षारोपण महाअभियान का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में बिहार विधान परिषद की सदस्य शीला प्रजापति मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं और पौधारोपण कर अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर शीला प्रजापति ने कहा कि ह्वाएक पेड़ माँ के नामह् अभियान केवल एक नारा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी के लिए सुरक्षा कवच है। पेड़ हैं तो जीवन है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान कुल 11 पौधे लगाए गए। अभियान में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लिया और लगाए गए पौधों की देखभाल करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के आयोजक एवं अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार टिंकल ने मुख्य अतिथि समेत सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। संयोजक शशि कुमार सिन्हा और शशि भूषण प्रसाद वर्मा तथा व्यवस्थापक सतीश पासवान ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। इस मौके पर मिथिलेश कुमार, कृष्णा मुखर्जी, रमेश कुमार रमण, मनोज सिन्हा, सुदर्शन, उमेश चंद्रा, विवेक कुमार, संजीव कुमार, उदय सिन्हा, गंगासागर, जे.पी.जी., संतोष सिन्हा, अमृता, ज्योति, राम अवतार साहू, आदया सिन्हा, कास्बी सिन्हा, रेखािका कुमार, अनामिका रंजन, पूजा सिन्हा और गीता वर्मा समेत कई लोग मौजूद रहे।

बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए बेल्ट्रान ने मुख्यमंत्री राहत कोष में दिए 15 करोड़ रुपये

पटना : बिहार में आई बाढ़ से प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए बिहार स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बेल्ट्रान) ने मुख्यमंत्री राहत कोष में 15 करोड़ रुपये का सहयोग दिया है। बेल्ट्रान की ओर से 15 करोड़ रुपये का चेक मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी को लोक सेवक आवास में सौंपा गया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस सहयोग के लिए बेल्ट्रान के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आपदा और कठिन परिस्थितियों के समय मुख्यमंत्री राहत कोष में प्राप्त यह राशि जरूरतमंद लोगों की सहायता में उपयोगी साबित होगी। उन्होंने कहा कि बाढ़ से प्रभावित परिवारों को राहत और सहायता उपलब्ध कराने के लिए सरकार द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे समय में विभिन्न संस्थाओं और संगठनों की ओर से दिया जा रहा सहयोग राहत कार्यों को और मजबूती प्रदान करता है। इस अवसर पर सूचना प्रावैधिकी मंत्री श्री नीतीश मिश्रा, विकास आयुक्त श्री मिहिर कुमार सिंह, सूचना प्रावैधिकी विभाग के सचिव श्री अभय कुमार सिंह तथा बेल्ट्रान के प्रबंध निदेशक श्री कौशल किशोर उपस्थित रहे।

हुसैनाबाद में बाइक चोरों का आतंक

हुसैनाबाद : हुसैनाबाद शहरी क्षेत्र से लेकर ग्रामीण इलाकों तक बाइक चोरी की घटनाएँ थमने का नाम नहीं ले रही हैं। बौते एक महीने के भीतर करीब आधा दर्जन मोटरसाइकिल चोरी होने की घटनाओं से वाहन मालिकों में चिंता बढ़ गई है। ताजा मामला हुसैनाबाद थाना क्षेत्र का है, जहां झारखंड ग्रामीण बैंक के बाहर खड़ी स्फैडर मोटरसाइकिल (नंबर जेएच 03जेड-8328) को अज्ञात चोर लेकर फरार हो गया।

थाने में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, 28 सितंबर 2026 को दोपहर करीब दो से ढाई बजे लोटनिया टोला पिपरडीह निवासी संजय पाल के पुत्र संजीव कुमार (18) अपनी मोटरसाइकिल से हुसैनाबाद बाजार स्थित झारखंड ग्रामीण बैंक पहुंचे थे। उन्होंने बैंक के बाहर बाइक खड़ी कर हैंडल लॉक किया और बैंक के अंदर चले गए। कुछ देर बाद बाहर निकलने पर बाइक अपनी जगह नहीं मिली। प्राथमिकी में बताया गया है कि बैंक के अंदर जाने से पहले बाइक के ऊपर एक अज्ञात युवक बैठकर मोबाइल पर बात करता दिखाई दिया था। बैंककर्मियों से पूछताछ करने पर जब पता चला कि वह व्यक्ति अभी तक नहीं आया है, तो बाइक मालिक बाहर पहुंचे। वहां देखा कि बाइक के बाइक बाइक लेकर भाग रहा था। इसके बाद उन्होंने पीछा करने का प्रयास किया, लेकिन तब तक युवक बाइक लेकर फरार हो चुका था। मामले में हुसैनाबाद थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है। लगातार बाइक चोरी की घटनाओं ने पुलिस की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए हैं और शहर से लेकर गांवों तक लोगों की चिंता बढ़ गई है। बाजार, बैंक, सार्वजनिक स्थलों और ग्रामीण इलाकों में खड़ी बाइक चोरों के निशाने पर हैं। एक के बाद एक हो रही घटनाओं के बावजूद चोरी पर अंकुश नहीं लगने से वाहन मालिकों में भय का माहौल है। लोगों ने पुलिस से बाइक चोरी की घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई, सदिधियों की पहचान और बाजार क्षेत्र में नियमित गश्त बढ़ाने की मांग की है।

जेल में पहुंची बोर्ड ऑफ विजिटर-डालसा की टीम, बंदियों से पूछी समस्याएं

मेदिनीनगर : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर बुधवार को बोर्ड ऑफ विजिटर और डालसा की संयुक्त टीम ने केंद्रीय कारा मेदिनीनगर का निरीक्षण किया। प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राज कुमार मिश्रा के नेतृत्व में पहुंची टीम ने जेल की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और बंदियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं।

टीम ने बैरक, महिला वार्ड, मुलाकाती सहायता केंद्र, मेडिकल वार्ड, रसीडेंशर, स्टेर रूम, पुस्तकालय, प्रिंटिंग प्रेस और कपड़ा बुनाई केंद्र समेत विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं, पेयजल, शौचालय, साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था की भी पड़ताल की गई। अधिकारियों ने यह भी देखा कि बंदियों को सरकार के निर्धारित मानक मेन्यू के अनुसार भोजन मिल रहा है या नहीं। निरीक्षण में व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं।

प्रभारी पीडीजे राज कुमार मिश्रा ने बंदियों से उनके मुकदमों और अधिवक्ता की उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कोई भी बंदी बिना अधिवक्ता के नहीं रहना चाहिए। डालसा के माध्यम से जरूरतमंद बंदियों को नि:शुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि किसी बंदी को कोई समस्या हो तो जेल पीएलवी के माध्यम से लिखित रूप में डालसा तक अपनी बात पहुंचा सकता है।टीम ने बंदियों के बीच किसी प्रकार के भेदभाव, डराने-धमकाने और अनुशासन से जुड़ी शिकायतों की भी जानकारी ली। पुस्तकालय में पठन-पाठन की पुस्तकें और संगीत वाद्ययंत्र भी व्यवस्थित पाए गए। अधिकारियों ने आवश्यक सुविधाएं मानक के अनुरूप उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। महिला वार्ड में टीम ने महिला बंदियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानीं। उनके साथ रह रहे छोटे बच्चों को बोर्ड ऑफ विजिटर की ओर से बस्किट और टॉफी दी गई। इस दौरान करीब चार वर्ष के एक बच्चे ने टीम के समक्ष कविता और अंग्रेजी अल्फाबेट सुनाकर सबका दिल जीत लिया। बच्चे की प्रस्तुति देखकर अधिकारी भी मुस्कुराए बिना नहीं रह सके। निरीक्षण टीम में जिला पंचायती राज पदाधिकारी दानवीर लकड़ा, एसडीपीओ राजेश यादव, डालसा सचिव सौरभ कुमार गौतम, व्यवहार न्यायालय के निबंधक कमल प्रकाश, लीगल एड डिफेंस काउंसिल के चीफ अमिताभ चंद्र सिंह, डिप्टी चीफ संतोष कुमार पांडेय सहित अन्य अधिकारी शामिल थे। मौके पर काराधीक्षक प्रभात कुमार, कारापाल देवनाथ राम, डालसा एवं लीगल एड डिफेंस काउंसिल के कर्मी, पीएलवी और बड़ी संख्या में बंदी मौजूद थे।

झारखंड

जपला रेलवे स्टेशन परिसर में माहिष्मती महल की तर्ज पर बनेगा भव्य दुर्गा पूजा पंडाल

3 लाख की लागत से होगा निर्माण, भूमि पूजन कार्यक्रम हुआ संपन्न

मेट्रोरेज संवाददाता

हुसैनाबाद (पलामू) : जपला रेलवे स्टेशन परिसर में इस वर्ष दुर्गा पूजा के अवसर पर युवा बाल संघ द्वारा एक भव्य पूजा पंडाल का निर्माण कराया जा रहा है। लगभग तीन लाख रुपये की अनुमानित लागत से बनने वाले इस पंडाल के निर्माण कार्य का शुभारंभ विधिवत भूमि पूजन और नारियल फोड़कर किया गया। भूमि पूजन कार्यक्रम का संयुक्त शुभारंभ जपला आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक संतोष झा, उपनिरीक्षक राम नरेश राम, संघ के वरीय सदस्य रजनीश कुमार, अध्यक्ष

जयशंकर गुप्ता, संरक्षक प्रकाश अग्रवाल, राजेश्वर सिंह, जितेन्द्र पासवान, पिपुष अग्रवाल उर्फ टिंकू अग्रवालर, वि कुमार यादव और अजय मेहता ने पूजा-अर्चना के साथ किया।

'माहिष्मती महल' की थीम पर आधारित होगा भव्य पंडाल' कार्यक्रम के दौरान संघ के वरीय सदस्य रजनीश कुमार ने बताया कि स्टेशन परिसर में शांति, सौहार्द और भक्तिमय माहौल के बीच इस वर्ष की दुर्गा पूजा को ऐतिहासिक बनाने की तैयारी है। उन्होंने बताया कि यह पूजा पंडाल सुपरहिट फिल्म 'बाहुबली' के प्रसिद्ध 'माहिष्मती महल' की थीम पर आधारित होगा। उल्लेखनीय है कि इस विशेष डिजाइन का पंडाल सबसे पहले वर्ष 2017 में कोलकाता के प्रसिद्ध श्री भूमि स्पोर्टिंग क्लब द्वारा बनाया गया था, जिसे



श्रद्धालुओं ने खूब पसंद किया था। उसी लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए इस बार जपला में भी माहिष्मती महल का रूप दिया जा रहा है। पूजा समिति के पदाधिकारी व सदस्य:दुर्गा पूजा के सफल आयोजन को लेकर

समिति का गठन किया गया है, जिसमें विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इसमें संरक्षक: प्रकाश अग्रवाल, राजेश्वर सिंह (डिस्को), विजय सिंह, धर्मेन्द्र सिंह, विकास सिंह, शंभू मेहता, अध्यक्ष: जयशंकर गुप्ता,

उपाध्यक्ष: प्रमोद कुमार मेहता, जिशु कुमार साहू, संचालक: रवि कुमार गुप्ता,सचिव: रवि कुमार उपसचिव: रामलाल साव (रामु),कोषाध्यक्ष: प्रिंस पासवान, सनी विश्वकर्मा उपकोषाध्यक्ष: सोनू कुमार,

पंडाल व्यवस्थापक: रोहित कुमार, सैनिक, सुभाष कुमार, सोनू मदनवाल, कांटेश, अमन विश्वकर्मा, मोनू मदनवाल, बिरू, आर्यन जुलूस व्यवस्थापक: निखिल कुमार (राजा), धीरतिक मदनवाल, कमल नयन यादव, प्रसाद व्यवस्थापक: पंकज मेहता, कौशल कुमार,अजय कुमार,पूजा व्यवस्थापक: शंकर प्रसाद गुप्ता, के अलावा आयोजन को सफल बनाने में अजय मेहता, अंजनी सिपाही, हार्दिक, दीपू, छोटू शर्मा, धीरत साव, रवि गुप्ता,अजय विश्वकर्मा, विपिन मेहता, सुनील गुप्ता, अमन गुप्ता, गोलू यादव, अमन, पुली, अंकित सिंह, अंशु गुप्ता, ऋषि, चंदन गुप्ता, राजा गुप्ता, दुलार कुमार सिंह, मोहित, अनंन, आयुष कुमार और आयुष राज सहित कई अन्य सदस्यों का सराहनीय योगदान बना हुआ है।

बाढ़ राहत सामग्री वितरण को लेकर सांसद रूडी पर ग्रामीणों ने उठाए सवाल

अकीलपुर पंचायत के लोगों ने जताई नाराजगी

पटना/सारण : बिहार में बाढ़ के बीच राहत सामग्री वितरण को लेकर सारण सांसद राजीव प्रताप रूडी के खिलाफ अकीलपुर पंचायत के कुछ ग्रामीणों ने नाराजगी जताई है। ग्रामीणों का आरोप है कि 29 सितंबर को पटना जिले के दानापुर (नासरीगंज) स्थित कोल्ड स्टोर में सारण जिले के बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए राहत सामग्री का वितरण किया गया, लेकिन अकीलपुर पंचायत के कई वास्तविक बाढ़ पीड़ित परिवारों को इसकी जानकारी तक नहीं दी गई। ग्रामीणों का कहना है कि राहत सामग्री का वितरण बाढ़ प्रभावित दियारा क्षेत्र में किया जाना चाहिए था, जबकि वितरण स्थल दानापुर नासरीगंज में रखा गया।

आरोप है कि राहत सामग्री के वितरण के लिए अकीलपुर पंचायत के सभी प्रभावित परिवारों को सूचना नहीं दी गई और कुछ चुनिंदा लोगों को ही बुलाया गया। अकीलपुर निवासी एवं समाजसेवी रामानुज राय ने इस मामले पर सवाल उठाते हुए कहा कि आपदा के समय राहत सामग्री के वितरण में किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। उनका आरोप है कि जिन परिवारों के घर बाढ़ में डूबे हैं, उनमें से अधिकांश तक राहत सामग्री नहीं पहुंच सकी। उन्होंने राहत वितरण की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की मांग की। रामानुज राय ने सांसद राजीव प्रताप रूडी की बाढ़ राहत कार्यों में भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि से जनता को निष्पक्ष और निस्वार्थ सेवा की अपेक्षा रहती है। उनका कहना है कि बाढ़ जैसी आपदा के समय सभी प्रभावित परिवारों को समान रूप से सहायता मिलनी

चाहिए।

वहीं, ग्रामीणों के एक वर्ग ने राहत वितरण में कथित भेदभाव को लेकर आगामी चुनाव में सांसद के खिलाफ विरोध करने की बात कही है। कुछ ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें ऐसा जनप्रतिनिधि चाहिए जो आपदा के समय बिना किसी भेदभाव के सभी बाढ़ पीड़ितों की मदद करे। हालांकि, राहत सामग्री के कथित चयनात्मक वितरण और लगाए गए आरोपों पर सांसद राजीव प्रताप रूडी या उनके प्रतिनिधियों की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि भी नहीं हो सकी है। ग्रामीणों ने प्रशासन और संबधित जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि राहत सामग्री वितरण की प्रक्रिया की जानकारी सार्वजनिक की जाए तथा वास्तविक बाढ़ प्रभावित परिवारों तक राहत सामग्री पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए।

पीएम श्री विद्यालय में छात्रों की हो शत-प्रतिशत उपस्थिति : बीपीओ

कोलेबिरा : पीएम श्री राजकीयकृत उत्कर्मित मध्य विद्यालय राजुटोली, कोलेबिरा में शिक्षक-अभिभावक गोष्ठी का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सुधीर कांधलाना ने की। बैठक में विद्यालय में नामांकित सभी बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया। इस संबंध में बैठक में मौजूद सदस्यों और अभिभावकों ने संकल्प लिया कि वे प्रत्येक कार्य दिवस अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजेंगे। साथ ही विद्यालय में साफ-सफाई बनाए रखने और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव सहयोग करने की बात कही गई। इस अवसर पर विद्यालय में योगदान देने वाले एए शिक्षक लखन सिंह का स्वागत किया गया। प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मनमोहन कुमार गोस्वामी ने छात्र-छात्राओं की शत-प्रतिशत उपस्थिति और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को लेकर अभिभावकों को विस्तृत मार्गदर्शन दिया। बीपीओ ने पीएम श्री विद्यालय की विशेषताओं और सामान्य विद्यालय से इसके अंतर पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विद्यालय के विकास और बच्चों की बेहतर शिक्षा के लिए शिक्षकों के साथ-साथ अभिभावकों और विद्यालय प्रबंधन समिति की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। उन्होंने सभी अभिभावकों से विद्यालय के विकास में सहयोग करने की अपील की।बैठक में प्रधानाध्यापक बालचंद्र महतो, सहायक शिक्षक लखन सिंह, दमयंती कुमारी, विमल सुरिन, अर्चना कुमारी, सिलपम किंडो, रोशन बड़, थियोडोर टोपनो, मलानी डांग, जानकी देवी, विरता देवी, सुषमा सुरिन, अल्बीना टोपनो सहित अन्य शिक्षक एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

आजीविका महिला संकुल संगठन की वार्षिक आम सभा संपन्न

सरकारी योजनाओं से स्वावलंबी बन नशा कारोबार छोड़ समाज की मुख्यधारा से जुड़ीं महिलाएं

संवाददाता चक्रधरपुर (पश्चिमी सिंहभूम): झारखंड सरकार ग्रामीण विकास विभाग (खरखहर) के तत्वावधान में संचालित आजीविका महिला संकुल संगठन स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड की वार्षिक आम सभा का आयोजन चक्रधरपुर प्रखंड अंतर्गत केन्दो पंचायत में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में इटोर पंचायत के मुखिया सोमनाथ कोया, केन्दो पंचायत की मुखिया, स्थानीय पंचायत समिति सदस्य, जेएसएलपीएस के प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक (इट्ट) सहित

संकुल स्तरीय संघ की महिला पदाधिकारी, भारी संख्या में महिला लाभार्थी एवं बुजुर्ग उपस्थित थे। योजनाओं के पारदर्शी क्रियान्वयन का ब्योरा प्रस्तुत सभा के दौरान संगठन द्वारा राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का पूरा लेखा-जोखा व प्रगति रिपोर्ट लाभार्थियों के समक्ष साझा की गई। मंच से ग्रामीण महिलाओं को आजीविका से जोड़ने, महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और समूह के माध्यम से आर्थिक स्वावलंबन हासिल करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर विस्तार से चर्चा हुई।

नशा कारोबार छोड़ स्वरोजगार अपनाकर समाज को दिखाई नई राह



सभा का सबसे प्रेरणादायक पहलू महिलाओं द्वारा साझा किए गए अनुभव रहे। पूर्व में हड़िया-शराब या अन्य नशा सामग्री बेचने के कार्य से जुड़ी कई महिलाओं ने सरकार द्वारा दिए गए आसान ऋण व आजीविका सहयोग से

खुद की दुकानें व स्वरोजगार शुरू कर समाज की मुख्यधारा में लौटने की अपनी प्रेरक यात्रा साझा की। महिलाओं ने बताया कि सरकारी योजनाओं से जुड़कर न केवल उनका आर्थिक स्तर सुधरा है, बल्कि समाज में उनका

मान-सम्मान भी बढ़ा है। उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाएं हुईं सम्मानित इस अवसर पर मुख्य अतिथि सन्नी उरांव एवं अन्य मंचासी अतिथियों ने उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं और समूहों को

प्रशस्ति पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि सन्नी उरांव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। जेएसएलपीएस की योजनाओं से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत हो रही हैं। जो महिलाएं नशे के अवैध कारोबार को त्यागकर स्वरोजगार की ओर बढ़ी हैं, वे पूरे समाज के लिए प्रेरणा हैं। प्रशासन और जनप्रतिनिधि हमेशा महिलाओं के उत्थान और उनके सुरक्षित भविष्य के लिए साथ खड़े हैं। कार्यक्रम का समापन संगठन के पदाधिकारियों द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

प्रवासी श्रमिक सुरेंद्र टुडू के आश्रित पिता को उपायुक्त ने सौंपी 50 हजार की अनुग्रह राशि



ज्ञात हो कि सुरेंद्र टुडू (पिता: चुड़का टुडू) मुंबई से जसीडीह वापस लौट रहे थे। इसी दौरान मध्य प्रदेश के बुरहानपुर और खंडवा रेलवे स्टेशनों के बीच अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और उनका दुःखद अवसान हो गया। यात्रा के दौरान उनके साथ उनके गांव के ही एक अन्य सह-यात्री बुधिनाथ मरांडी भी मौजूद थे। घटना की सूचना मिलते ही देवघर जिला प्रशासन ने सक्रियता दिखाई। प्रशासन के मुसैद सहयोग और समन्वय से मृतक के पार्थिव शरीर को मध्य प्रदेश के बुरहानपुर से वापस उनके पैतृक गांव देवघर लाया जा रहा है।



जात हो कि सुरेंद्र टुडू (पिता: चुड़का टुडू) मुंबई से जसीडीह वापस लौट रहे थे। इसी दौरान मध्य प्रदेश के बुरहानपुर और खंडवा रेलवे स्टेशनों के बीच अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और उनका दुःखद अवसान हो गया। यात्रा के दौरान उनके साथ उनके गांव के ही एक अन्य सह-यात्री बुधिनाथ मरांडी भी मौजूद थे। घटना की सूचना मिलते ही देवघर जिला प्रशासन ने सक्रियता दिखाई। प्रशासन के मुसैद सहयोग और समन्वय से मृतक के पार्थिव शरीर को मध्य प्रदेश के बुरहानपुर से वापस उनके पैतृक गांव देवघर लाया जा रहा है।

श्रमाधान पोर्टल पर निबंधन है बेहद जरूरी जिले के सभी प्रवासी श्रमिकों और उनके परिवारों से एक महत्वपूर्ण अपील की है। र्मुख्यमंत्री झारखण्ड प्रवासी श्रमिक दुर्घटना कोषर योजना के तहत किसी भी अग्रिय घटना या दुर्घटना की र्थिति में आश्रितों को ₹50,000 की सहायता राशि देने का प्रावधान है। परंतु, इस कल्याणकारी योजना का लाभ उठाने के लिए सभी प्रवासी श्रमिकों का झारखण्ड सरकार के 'श्रमाधान पोर्टल' पर निबंधन कराना अनिवार्य है। उपायुक्त ने जिले के सभी कामकाजी भाई-बहनों से अपील की है कि वे अपना पंजीकरण श्रमाधान पोर्टल पर अवश्य कराएं ताकि संकट के समय सरकार और प्रशासन उन्हें त्वरित सुरक्षा व सहयोग प्रदान कर सके। इस दौरान उपरोक्त के अलावा उप विकास आयुक्त पीपूष सिन्हा, श्रम अधीक्षक शैलेंद्र कुमार शाह, एडीएसएस, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी उपस्थित थे।